डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 45 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 24 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

चालक बना रहा लोगों को चक्करघिन्नी...

फिर शुरु हुआ पार्टी बनने और खड़े तोड़ का सिलसिला

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर पुलिस में वैसे तो सब सेट है ही, लेकिन, चुनावी दौर में भी एक चालक ने लोगो को दम देना चालू रखा। पिछले दिनो एक पिकअप को रोककर उसमें सवार नरसिंह पिपलिया और आक्यामेड़ी के छोकरो को छोतरो के साथ पकड़ कर 12 गांधीछाप से समझौता भी कर लिया। बताया गया कि अपना क्षेत्र नहीं होने पर चतुर चालक ने आक्यामेड़ी-टिडवास के बीच अपना कमाल दिखा दिया। यदि इस बात में सच्चाई है तो कप्तान को अपनी नजरे ईनायत एक बार फिर इस चालक पर करना चाहिए?

पशुपतिनाथ मेला:बदला पाटोत्सव का स्वरूप

अब ज्ञान की गंगा नहीं, नेतागिरी और फुहड़ हास्य

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार को श्री पशुपतिनाथ महादेव मेले की शुरुआत हो गई। नपा के जनप्रतिनिधियों और कलेक्टर की उपस्थिति में सामान्य पूजा अर्चना के साथ मेले का शुभारंभ हुआ। हालांकि इस बार मेला कुछ हद तक आचार संहिता का शिकार बना। इधर बात करें तो पशुपतिनाथ पाटोत्सव मेला अपने मूल स्वरूप को खो चुका है। भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिष्ठापना के उपलक्ष्य में प्रत्यक्षानंदजी की अगुवाई में शुरू की गई यह परंपरा अब आध्यात्म का चोला उतार कर व्यवसायिक स्वरूप ग्रहण कर चुकी है। किसी जमाने में यहां संत-महात्मा ज्ञान की गंगा बहाते थे। लेकिन, अब अधिकारियों-नेताओं की उपस्थिति में शुभारंभ होने लगा है। इधर मनोरंजन के नाम पर अश्लील नाच और फूहड़ हास्य परोसा जाता है। हालांकि इस बार आचार संहिता के कारण सांस्कृतिक कार्यक्रम शायद ही हो पाएंगे।

श्री पशुपतिनाथ महादेव पाटोत्सव मेले की शुरूआत 1962 से हुई थी। भगवान की अष्टमुखी प्रतिमा की प्रतिष्ठापना के उपलक्ष्य में वार्षिक समारोह के रूप में पाटोत्सव की पटकथा संत प्रत्याक्षानंदजी ने लिखी थी। उन्होंने ही 1961 में मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी 26 नवंबर) को मूर्ति की प्रतिष्ठा करवाई थी। अगले वर्ष में पाटोत्सव आरंभ हो गया। उत्सव के दौरान पांच दिनों तक भगवान का श्रृंगार किया जाता था। इस दौरान मेला भी लगाया जाता था। पूरा महोत्सव मंदिर प्रबंध समिति के जिम्मे रहता था। पांच दिनों तक जाने माने संतो के प्रवचनों से पूरा परिसर गूंजता था। यह परंपरा लंबे समय तक चली। लेकिन, अब न संत महात्मा नजर आते हैं और न ही विशेष श्रृंगार और न ही ज्ञान की गंगा। इस बार भले ही जिम्मेदार आचार संहिता को दोष दे सकते हैं। लेकिन, फिर भी प्रवचन या विशेष श्रृंगार पर आचार संहिता का पहरा कैसे हो सकता है?

सूत्रधार बदले, बदला स्वरूप...

बदलते वक्त के साथ व्यवस्थाओं में बदलाव आया और पाटोत्सव मेले के सूत्र नगर पालिका के पास आ गये। प्रबंध समिति गर्भगृह तक सिमट कर रह गई। धार्मिक अनुष्ठान समिति के जिम्मे रह गये और मेले का दायरा बढ़ाने में नपा ने कोई कसर नहीं छोडी। कुछ ही सालों में आयोजन की सूरत ही बदल गई। मेले में प्रवचनों की जगह फिल्मी गाने गूंजने लगे। लाखों खर्च कर सेलिब्रिटी बुलाने की परंपरा आरंभ हो गई। संत-महात्माओं की जगह गोविन्दा, शक्ति कपूर, चंकी पांडे और पदमिनी कोल्हापुरे, गोविन्दा, नितिन मुकेश, असरानी, दिलीप जोशी, कुमार शानू जैसे फिल्मी कलाकार नजर आने लगे। छोटे पर्दे पर कामेडी हिट हुई तो राजू श्रीवास्तव, राजपाल यादव, भारती सिंह जैसे मसखरों ने हास्य के नाम पर द्विअर्थी संवाद और फूहड़ चुटकुले परोसे। मनोरंजन के नाम पर आर्केस्टा पार्टियां अश्लील ठुमकों से माहौल गरमाने लगी। नपा ने मेले को व्यवसायिक स्वरूप प्रदान कर दिया, जिससे नपा की आय तो बढी ही, मेले का विस्तार भी हो गया। 5 दिनों का आयोजन अब 15 से 20 दिनों तक चलने लगा हैं।

इधर सिमट गया पाटोत्सव...

पाटोत्सव के नाम से मेले का तो विस्तार हो गया, लेकिन पाटोत्सव का मूल तत्व मंदिर के गर्भगृह तक सिमट कर रह गया। प्रबंध समिति के तत्वाधान में मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की पंचमी से पांच दिनों तक पशुपतिनाथ का अभिषेक और श्रृंगार होता है। इसके अलावा वर्ष के हर माह की हर पंचमी पर भी विशेष पूजा और अभिषेक होते हैं।

पाटोत्सव के साथ भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला प्रारंभ...

गुरूवार को भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर परिसर में श्री पशुपतिनाथ महादेव प्रबध समिति व नपा परिषद मंदसौर द्वारा पाटोत्सव का आयोजना किया गया। इसी पाटोत्सव में पशुपतिनाथ महादेव मेला का भी शुभारंभ हुआ। विधानसभा चुनाव 2023 की आदर्श आचरण संहिता का पालन करते हुये नपा परिषद द्वारा सादगीपूर्ण रूप से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। मेनपुरिया आश्रम के महंत श्री मणि महेश चेतन्यजी महाराज व कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में विशेष पूजा अनुष्ठान कर मेला का शुभारंभ किया। दोनो ने इलेक्ट्रानिक स्वीच दबाकर पशुपतिनाथ मंदिर के समीप स्थित दीप मालिका पर रोशनी करायी गयी इसी के साथ पशुपतिनाथ का मेला भी प्रारंभ हो गया है। यह मेला 20 दिवस तक लगेगा। इस अवसर पर नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, सुंयक्त कलेक्टर व मंदिर प्रबंध समिति के सचिव राकेश शर्मा, सीएमओ श्री सुधीर कुमार सिंह, प्रबंध समिति के प्रबंधक राहुल रूनवाल, नपा सभापति निलेश जैन, रमेश ग्वाला, सत्यनारायण भांभी, दींपमाला मकवाना, श्रीमती प्रमिला संजय गोयल, समाजसेवी नरेन्द्र बंधवार, प्रद्युम्न शर्मा, राजेश गुर्जर, जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, समाजसेवी बंशीलाल टांक, पं ललित भारद्वाज, कन्हैयालाल सोनगरा पं किशोर शास्त्री पं सतीश भटट, भावना पमनानी पार्षद, नपा कार्यपालन यंत्री पीएस धारवे, मेला लिपिक राजेन्द्र नीमा सहित कई नपा कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्री मणिमहेश चेतन्य महाराज, कलेक्टर श्री यादव ने पशुपतिनाथ मंदिर के प्रांगण में स्थित श्री प्रत्याक्षनंदजी महाराज व श्री मस्तरामजी महाराज की प्रतिमा की भी पूजा व आरती की। इस मौके पर संस्कृत पाठशाला के बटुको के मंत्रोच्चार भी किया।

जीते तो फूलों की राह हारे तो कांटों का सफर

कई नेता जीतने के बाद मार सकते हैं लंबी छलांग

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आगामी 3 दिसंबर को ईवीएम जनता का फैसला सार्वजनिक करेंगी। बता दे कि चुनाव में जीते तो कई नेता फूलों की राह पर निकल पड़ेंगे तो कईयों को कांटों का सफर मिलेगा। एक नजर डालते हैं हार-जीत के नफा-नुकसान पर।

मंदसौर विधानसभा

यशपालसिंह सिसौदिया-यशपालसिंह सिसौदिया भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता है। वे लगातार तीन बार के विजेता है। चौथी बार चुनाव लड़ा है।

जीत के मायने-चौथी बार जीत हाथ लगी और सरकार भाजपा की बनी तो मंत्री बनने का अवसर काफी है।

हार के मायने-हार मिली तो भाजपा में न्यूटल हो चुके अन्य ग्रुप और नेता सक्रिय हो जाएंगे। इसके बाद यशपालसिंह की अगले अवसरों की राह कठिन होगी।

विपीन जैन-विपीन जैन कांग्रेस के जिला अध्यक्ष है। कई नेताओं द्वारा टांग खिंचने के बाद भी जिलाध्यक्ष और फिर टिकीट लेकर आए।

जीत के मायने-विपीन जैन जीत हासिल करते हैं तो वह तीन बार के विधायक को हराकर भाजपा के गढ में जीत हासिल करेंगे। कांग्रेस सरकार बने या न बने, लेकिन विपीन का कद पार्टी में काफी बढ जाएगा।

हार के मायने-अगर विपीन जैन हारते हैं तो गुटबाजी के लिए पहचान बना चुकी कांग्रेस में अन्य गुट या नेता विपीन की राजनीतिक राह पर यहीं पुण्यविराम लगा सकते हैं।

मल्हारगढ़ विधानसभा

जगदीश देवड़ा-भाजपा प्रत्याशी और वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा लंबे समय से मल्हारगढ़ सीट से जीत हासिल करते रहे हैं। कई विभागों में मंत्री भी रहे।

जीत के मायने-जीत जगदीश देवड़ा के कॅरियर को लेकर ज्यादा मायने नहीं रखती। उनकी जीत के साथ सरकार बनना जरुरी है। उसी के बाद ही उनका मंत्री पद बना रहेगा।

हार के मायने-इतने लंबे अनुभवी राजनीतिक खिलाड़ी का उनके सामने राजनीति के अंडर 19 के सामने हारना कहीं न कहीं उन्हें ही नहीं, भाजपा को भी हजम नहीं होगा।

परशुराम सिसौदिया-कांग्रेस प्रत्याशी परशुराम सिसौदिया कांग्रेस में मप्र कांग्रेस प्रतिनिधि है। दूसरी बार वह जगदीश देवड़ा के सामने ही चुनाव लड़ रहे हैं।

जीत के मायने-यह जीत उन्हें राजनीतिक रूप से स्थापित करने का काम करेगी। पार्टी में उनके विरोधियों के लिए भी करारा जवाब साबित होगी।

हार के मायने-इस हार के बाद शायद वह अगले किसी चुनाव में दमदारी से टिकीट की दावेदारी नहीं कर पाएंगे।

सुवासरा विधानसभा

हरदीपसिंह डंग-भाजपा प्रत्याशी और केबिनेट मंत्री हरदीपसिंह डंग कांग्रेस का हाथ छोडक़र भाजपा में आए। उपचुनाव जीतकर मंत्री बने।

जीत के मायने-यदि हरदीपसिंह जीत हासिल करते हैं और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनती है तो मंत्री पद बना रहेगा।

हार के मायने-सीतामऊ-सुवासरा में पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार एंड कंपनी सक्रिय हो जाएंगी। हो सकता है इसके बाद हरदीपसिंह डंग का नाम सुवासरा-सीतामऊमें गायब ही हो जाए।

राकेश पाटीदार-दूसरी बार फिर से राकेश पाटीदार कांग्रेस के टिकीट पर हरदीपसिंह के सामने चुनाव लड़ रहे हैं।

जीत के मायने-यह जीत उन्हें राजनीतिक रूप से स्थापित करने का काम करेगी। पार्टी में उनके विरोधियों के लिए भी करारा जवाब साबित होगी।

हार के मायने-यह चुनाव हारने के बाद शायद किसी चुनाव में टिकीट की दावेदारी उनकी इतनी मजबूत नहीं होगी।

गरोठ विधानसभा

सुभाष सोजतिया-पूर्व मंत्री सुभाष सोजतिया पर कांग्रेस ने फिर से भरोसा जताया है।

जीत के मायने-सोजतिया जीत हासिल करते हैं और सरकार कांग्रेस की बनती है तो उनका मंत्री पद तय है। इसके बाद गरोठ नहीं, प्रदेश में उनका सिक्का वापिस चल निकलेगा।

हार के मायने-सोजतिया की उम्र 70 क्रास कर चुकी है। हार के बाद सम्भव है कि कांग्रेस गरोठ विधानसभा से नए विकल्प की तलाश करें। वहीं उनकी पूत्री टोनू सोजतिया की राजनीतिक राह और चाह में यह हार रोडा बन जाए।

चंदरसिहं सिसौदिया-भाजपा प्रत्याशी और पूर्व जिलाध्यक्ष चंदरसिंह सिसौदिया पिछली बार सुभाष सोजतिया को हरा चुके हैं। मतलब दूसरी बार सोजतिया के सामने हैं।

जीत के मायने-यह जीत उन्हें राजनीतिक रूप से स्थापित करने का काम करेगी। पार्टी में उनके विरोधियों के लिए भी करारा जवाब साबित होगी।

हार के मायने-हार के बाद गरोठ में अन्य नेता किसी भी चुनाव के लिए टिकीट की दावेदारी में चंदरसिंह से आगे हो जाएंगे।

देव उठने के साथ ही शुरू हुआ विवाह समारोह का दौर

जिले में कई शादियां, 27-28 नवंबर को ज्यादा विवाह

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। देवउठनी एकादशी से मंदसौर में बेण्ड बाजो की गूंज के साथ ही विवाह समारोह का दौर शुरु हो गया। गुरुवार को सैकडों ज्यादा शादियां हुई। आने वाले दिनों के लिए भी मैरिज गार्डन, कैटर्स, टेंट, होटलें सबकुछ बुक है। हालांकि, एकादशी की तुलना में 27 और 28 नवंबर को ज्यादा शादियां होंगी। अबूझ मुहूर्त होने से सामूहिक विवाह के आयोजन भी होते हैं। वहीं, उन जोड़ो का पाणिग्रहण भी होता है, जिनकी राशि से शादी की तारीख नहीं मिल रही। हालांकि, इस बार सामूहिक विवाह सम्मेलन नहीं हो रहे हैं, लेकिन घरों से लेकर होटल-मैरिज गार्डन तक गूंज जरूर सुनाई देने लगी है। इसके चलते लोगों ने 3 से 4 महीने पहले से ही बुकिंग करा ली थी। कैटर्स संचालकों के अनुसार देवउठनी एकादशी के दिन मैरिज गार्डन, टेंट, कैटर्स आदि को लेकर अच्छी बुकिंग है। 27 और 28 नवंबर को शादियों का आंकड़ा बढ़ जाएगा। ज्यादातर शादियां इन्हीं दो दिनों में है।

नवंबर-दिसंबर में 11 मुहूर्त

मैरिज गार्डन संचालकों के अनुसार देवउठनी एकादशी पर अबूझ मुहूर्त जरूर है। लेकिन, पिछले सालों की तुलना में शादियां कम है। नवंबर में 5 और दिसंबर में 6 मुहूर्त है। इस तरह 40 दिनों में 11 मुहूर्त हैं। इसके बाद शादियों पर ब्रेक लग जाएगा, जो 15 जनवरी तक रहेगा।

दुल्हों की पसंद बने डिजिटल प्रिंट्स पिंटेक्स

शेरवानी, सूट, मोजड़ी, जूते, पगड़ी की खरीदारी शुरू

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। ढोल और बेंड बाजो की गूंज के साथ ही विवाह समारोह शुरू हो गए है। घरों में लोकगीत सुनाई देने लगे हैं। मंगलगीत गाए जा रहे हैं। लोग शादी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। कपड़ो की खरीदारी में दूल्हे से लेकर परिवार के सदस्य और रिश्तेदार भी बाजार में दौड़ लगा रहे हैं। दूल्हे के लिए शेरवानी, सूट, मोजडी, जूते, पगडी की खरीदारी में पूरा परिवार लगा है। हर किसी को कुछ खास की तलाश है। वो भी कुछ ऐसा जो शादी में उनका लुक न केवल अट्रैक्टिव बनाए बल्कि यादगार भी। वहीं दूल्हा भी चाहता है कि उसका राजसी अंदाज देखकर सबकी आंखें उसी पर ठहर जाए।

वेडिंग सीजन में दूल्हे राजा के लिए पिंटेक्स एक नई चीज देखने को मिल रही है। पिंटेक्स एक फैब्रिक है, जिसमें डिजिटल प्रिंट्स का प्रयोग किया गया है। इसे सिल्क मटेरियल में बनाया गया है। हैंडवर्क किया गया है। शादी के इस सीजन में दूल्हे के बीच खास डिमांड है। दूल्हे का कुर्ता पजामा भी फ्लोरल प्रिंट में उपलब्ध है। दुकानदारों के अनुसार दूल्हे के लिए बाजार में इस बार शॉर्ट लेंथ के इंडो वेस्टर्न तथा मिड लेंथ के ब्लेजर की डिमांड इन है। शेरवानी भी एक से बढक़र एक डिजाइन में उपलब्ध हैं। फाइव पीस सूट भी वेडिंग कलेक्शन में मौजूद है।

शादियों में अब दूल्हे के साथ बारातियों में भी पगड़ी पहनने का नया ट्रेंड आ गया है। दूल्हा जहां मेहरून, गोल्डन, मोती वर्क वाला साफा पहनते हैं तो बाराती पिंक और चुनरी कलर की पगडी पहनना पसंद कर रहे हैं। बाजार में डिफरेंट कलर और डिजाइन के पगडी सेट मिल रहे हैं। जिन्हें बाजार की पसंद और स्टाइल के अनुरूप ही डिजाइन किया जा रहा है।

लखनवी स्टाइल की मोजड़ी...

बाजार में दूल्हे के मोजडी के कलेक्शन भी देखे जा सकते हैं। लखनवी स्टाइल की मोजड़ी में काफी वैराइटी और डिजाइन देखने को मिल रहे हैं। दूल्हे भी ड्रेस की मैचिंग के अनुसार मोजडी पहनना पसंद कर रहे हैं। गोल्डन, मेहरून, रेड कलर की मोजड़ी बेहद पसंद आ रही है।

धर्मरक्षकों ने देवभूमि को दरकने पर मजबूर कर दिया

मंदसौर/उज्जैन, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पिछले 12 दिनों से उत्तरखंड के टनल में फंसे 41 मजदूर तक राहत सामग्री तो पहुंच गई है, पर सुरंग से निकाले नहीं जा सके हैं। पूरे उत्तराखंड में भूमि दरकने की खबरें लगातार बढ़ती जा रही है जोशीमठ तबाह होने के कगार पर पहुंच चुका है, तपोवन प्रोजेक्ट बह चुका है। ऐसी और भी अनेक घटनाएं रिकॉर्ड में है। जिन्हें प्राकृतिक तो बिल्कुल ही नहीं कहा जा सकता है। यह घटनाएं नतीजा है मनुष्य के विकास के नाम पर अंधी दौड़ का। गंभीरता से देखेंगे, सोचेंगे तो लगेगा सरकार और सरकारी अधिकारी ही उत्तराखंड को पृथ्वी से मिटाने को इतने आतुर है की घटना दर घटना के बाद भी मानने को तैयार नहीं है कि देवभूमि से छेड़छाड़ करना प्रकृति को नुकसान पहुंचाने जैसा है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी तो जोशीमठ के धंसने के समय ही अपना पल्ला झाड़ते हुए अधिकारियों के हवाले से कह चुके हैं कि उनके सड़क निर्माण कार्यों के कारण देव भूमि को कोई नुकसान नहीं हो रहा है। धर्म रक्षक रामलला का मंदिर बनाने वाली सरकार के बडे मंत्री हैं, जो कहा वह सही नहीं भी होगा तो भी सही मानना ही पड़ेगा। क्योंकि, ऐसे महानुभाव तो देवभूमि के संरक्षक होते हैं या नहीं यह भी अलग बात है! जोशीमठ का धंसना तो शुरुआत थी। जबकि, 50 साल पहले से ही जानकार प्रकृति प्रेमियों ने सरकार को चेताना शुरू कर दिया था। किन्तु, सरकार सभी प्रमाणित वैज्ञानिक आपत्तियों को खारिज करती रही है। 1970 के दशक में चमोली जिले से सुंदरलाल बहुगुणा, चंडीप्रसाद भट्ट और गोरा देवी के नेतृत्व में देव भूमि को छरन से बचाने का अभियान शुरू कर दिया था। 26 मार्च 1974 को रेडी गांव में महिला कार्यकर्ताओं ने गौरा देवी के नेतृत्व में पेड़ो से चिपक कर काटने वालों का विरोध कर पेडों को बचाया था। तभी से इसका नाम चिपको आंदोलन पड़ा था।

सरकार ने आंदोलन को भी कुचल था और देवभूमि को आधुनिक मशीनों से छेदना भी शुरू कर दिया था। तत्कालीन सरकार ने मिश्र कमीशन को जांच पर लगाया था। इसकी भी रिपोर्ट थी कि देवभूमि लो बेयरिंग कैपेसिटी वाला क्षेत्र माना जाकर बडे निर्माण तथा परिवर्तन के लिए अमानक बताया था। यह भी उल्लेख है कि 1939 में एक अंग्रेज जानकार ने भी इसे अस्थिर लैंड स्लाइड पर बसा होना बताया था।

चन्द्रमोहन भगत

बावजूद ईसके सरकारों ने देवभूमि को एक्सप्रेस हाईवे, बिजली उत्पादन के लिए टनल, खनिज पाने के लिए खनन जारी रखा है। हाल की दुर्घटना भी टनल निर्माण के दौरान की है जिसमें 12 दिनों से 41 मजदूर टनल धंस जाने के कारण फंसे हुए हैं। अंदाज लगाइए 12 दिनों से गहरी जमीन के गड्ढे में फस जाना क्या बीत रही होगी, उन पर उनके परिवारों पर! कल खाद्य सामग्री मजदूरों तक पहुंचाई जा सकी है उन्हे बाहर निकाल पाने में अभी और समय लग सकता है।

देवभूमि के मामले में यह उल्लेख भी आवश्यक है कि पिछले दशक में अनेक कमीशन बने, जांचे हुई और सभी ने सरकारों को चेताया भी पर सरकार नजर अंदाज करती आ रही है। आज भी अनेकों सरकारी योजनाओं के काम चलाए जा रहे हैं। प्रकृति और पर्यावरण की चेतावनी के बाद भी जो कुछ करना है वह राष्ट्र और प्रांत की सरकारों को करना है जो वर्तमान में विकास के मुकाबले देवभूमि और स्थानीय जानमाल के नुकसान को कमतर मान रहे हैं। यह जानते हुए भी की मानव जाति प्रकृति और पृथ्वी के संतुलन को ऐसे ही बिगाड़ा जाता रहा तो उनके जीवन में भी कुछ नहीं बचेगा। देखा यही जा रहा है कि तात्कालिक सुविधा के लिए लालची मनुष्य लगातार प्रकृति से छेड़छाड़ बढ़ाता ही जा रहा है। भविष्य में भी देवभूमि पर अत्याचार कम होने के आसार नजर नहीं आ रहे है। क्योंकि, यह स्पष्ट है कि एक्सप्रेस वे, टनल और बांध जैसे निर्माण हो रहे हैं। फिर इनका उपयोग शुरू होगा, आवागमन बढेगा तो छोटे बड़े भारी वाहनों का आना-जाना भी शुरू होगा। तब देवभूमि का तापमान बढ़ेगा, कंपन बढ़ेगा तब गुणात्मक कम दबाव सहने वाली देव भूमि आहत तो होगी ही। सरकार भी अब क्यों माने! जब 100 सालों से दी जा रही चेतावनी पर पहले वालों ने ध्यान नहीं दिया तो वर्तमान और भविष्य के शासकद्ध सरकार भी विकास के लिए ऐसी हिदयातो को नजरअंदाज करेंगे ही। यह अंदाज लगाना भी मुश्किल है कि एक दो दशक बाद देवभूमि जैसी आज प्रकृति का उपहार लगती है वैसी ही रहेगी?

राम और श्याम में उलझी जगदीश की कैसेट!

मल्हारगढ़ विस में 11 हजार 800 वोटों का गुणा-भाग करना मुश्किल

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ विस में इस बार सिसौदिया और कांग्रेस के बागी निर्दलीय उम्मीद्वार श्यामलाल जोकचंद मैदान में हैं। वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा दोनों ही प्रत्याशियों से राजनीतिक अनुभव में मीलो आगे हैं। कांग्रेस ने लगातार हार रही सीटों पर ज्यादा फोकस किया है। जिस पर आला नेताओं ने काफी रणनीति तैयार की है। इसमें मल्हारगढ भी शामिल है। इधर वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा को चुनाव से पहले ही वजनदान प्रत्याशी माना जा रहा था। चुनाव से ऐन पहले करोड़ों के लोकार्पण और भूमिपूजन करके उन्होंने चुनावी तैयारियां अन्य प्रत्याशियों से पहले ही शुरु कर दी थी। लेकिन, जगदीश दा का गणित उलझा श्याम के चक्कर में। जहां सीधी टक्कर जगदीश देवड़ा या श्यामलाल जोकचंद या परशुराम से मानी जा रही थी। अब त्रिकोणीय मुकाबले ने जगदीश देवड़ा की रणनीति को काफी हद तक ऊपर-नीचे किया।

मल्हारगढ़ विधानसभा

त्रिकोणीय मुकाबला बताया जा रहा है। यहां से भाजपा से वित्तमंत्री जगदीश देवडा, कांग्रेस से परशुराम

11 हजार 800 में उलझी है कैसेट...

पिछली बार जगदीश देवड़ा ने परशुराम सिसौदिया को करीब 11 हजार 800 मतों से हराया था। वाजिब बात है कि श्यामलाल को टिकीट नहीं मिलने से उनकी नाराजगी पिछली बार भी थी। कहीं न कहीं इस बार 11 हजार 800 मतों में उनकी भी हिस्सेदारी होगी। इधर इससे ज्यादा मत लाने पर नुकसान परशुराम को होगा या जगदीश देवड़ा को यह अनुमान लगाना भी मुश्किल है। इधर सत्तापक्ष में रहने के कारण कहीं सरकार से तो कहीं वित्तमंत्री से कुछ लोगों की नाराजगी हो ही जाती है। मतलब वह मत भी देवड़ा जी के खाते से जा सकते हैं। मतलब साफ है कि राम और श्याम के बीच जगदीश की कैसेट उलझी हुई है।

विचार-मंथन

हार से जीत की उम्मीद नहीं छोड़ें खिलाड़ी

विश्व कप के अंतिम नतीजों को लेकर बहुत सारे भारतीय खेल प्रेमी निराश हैं, तो कई लोग इसे राजनीतिक नजरिए से भी देख रहे हैं। जिस तरह भारतीय टीम पूरे खेल के दौरान लगातार जीत दर्ज करती रही और हमारे खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी बेहतर देखा गया, कई कीर्तिमान भी बने, उसमें स्वाभाविक ही उम्मीद बनी थी कि भारत विश्व कप जीतेगा। मगर अंतिम मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हुए वही टीम कमजोर साबित हुई, तो इसे लेकर निराशा स्वाभाविक है। मगर क्रिकेट को अनिश्चितताओं का खेल कहा जाता है। कब किन स्थितियों में मजबूत टीम भी कमजोर पड़ जाती है, कहना मुश्किल है। कुल मिला कर देखें तो भारतीय टीम का प्रदर्शन अंतिम मैच में भी बुरा नहीं कहा जा सकता। बल्लेबाजी करते हुए उसके तीन खिलाड़ी जल्दी आउट हो गए, इसलिए टीम रक्षात्मक होकर खेलने लगी थी और रनों की दर धीमी पड़ गई। गेंदबाजी और क्षेत्र रक्षण में भी खिलाड़ियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। मगर जिस तरह लोगों में पहले से उत्साह बना हुआ था और पूरा विश्वास था कि भारतीय टीम ही इस बार का विश्व कप जीतेगी, उस धारणा के चलते बहुत सारे लोग इस मैच को खेल भावना से देख नहीं पाए और निराश हुए। जैसा कि हर हार के बाद कमजोर पक्षों को पहचानने का प्रयास किया जाता है, विश्व कप को लेकर भी अलग-अलग कोणों से इसकी पड़ताल हो रही है। बहुत सारे लोग भारतीय टीम की हार का ठीकरा खराब पिच पर फोड़ रहे हैं, क्योंकि आस्ट्रेलियाई टीम ने इसी वजह से पहले गेंदबाजी का निर्णय किया था। मगर उसी स्टेडियम में पहले भी भारतीय टीम खेल चुकी थी और वह उस पिच के मिजाज से अच्छी तरह वाकिफ थी। इसलिए पिच को दोष देना भी ठीक नहीं माना जा सकता। कई लोगों को इस बात पर हैरानी हो रही है कि आखिर के चालीस ओवरों में भारतीय टीम ने केवल चार चौके लगाए। सत्ताईस ओवरों में एक भी चौका-छक्का नहीं लगा। ऐसा क्या हो गया कि अपराजेय दिखते भारतीय खिलाड़ी इतने सुस्त पड़ गए? इसका बड़ा कारण शुरू में ही तीन खिलाड़ियों के आउट हो जाने से टीम पर पड़ा मनोवैज्ञानिक दबाव माना जा सकता है। इस तरह टीम रक्षात्मक होकर खेलती रही। मगर इसमें आस्ट्रेलियाई टीम के गेंदबाजों के कौशल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों को चौके-छक्के जड़ने का मौका बहुत कम दिया। कुछ लोग इसमें सट्टेबाजी का भी अंदेशा जता रहे हैं। चूंकि पहले कुछ मौकों पर ऐसा हो चुका है और उसके चलते कुछ भारतीय खिलाड़ियों पर गाज भी गिर चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय ने सट्टेबाजी पर रोक लगाने के लिए एक समिति भी बनाई थी। क्रिकेट बोर्ड में राजनीतिक दखलंदाजी बढ़ने से भी भारतीय टीम के प्रदर्शन को लेकर आशंकाएं जताई जाती रही हैं। मगर इन तमाम आरोपों और आशंकाओं के पीछे भावनात्मक खीज अधिक कही जा सकती है। इस तरह आस्ट्रेलियाई टीम की काबिलियत को बहुत कम करके आंकने का प्रयास किया जा रहा है। निस्संदेह भारतीय टीम का जीतना गौरव की बात होती, मगर इस हार का मूल्यांकन आस्ट्रेलियाई टीम के प्रदर्शन को सामने रख कर किया जाना चाहिए। पूरे खेल में उसका भी प्रदर्शन खराब नहीं कहा जा सकता। खेल को खेल भावना से ही खेला और देखा जाना चाहिए, पक्षपातपूर्ण या सियासी नजर से नहीं।

सबसे हैरान करने वाले नतीजे मप्र से ही आएंगे?

ऋतुपर्ण दवे

मध्य प्रदेश विधानसभा के अभी हुए चुनाव बेहद अलग व कई मायनों में दिलचस्प हैं। यकीनन राजनीतिक दलों की सांसें थमी हुई है और धुरंधर विशेषज्ञों, बड़े-बड़े खबरिया चैनलों पर जिरह करने वालों के सामने किन्तु-परन्तु से ज्यादा कुछ नहीं है। लेकिन अन्दर की हकीकत को बारीकी से टटोलने और समझने से जो तस्वीरें सामने आ रही हैं वे सच में बेहद दिलचस्प हैं। यह सही है कि चुनावी घोषणा के वक्त एंटी इनकम्बैंसी की चर्चा हर कहीं थी। लेकिन चुनाव नजदीक आते-आते यह लगभग गायब हो गई। मध्यप्रदेश के 66 वर्षों के इतिहास में सबसे ज्यादा वोटिंग से अनिश्चय है और मायने अलग-अलग निकाले जा रहे हैं। फिलहाल कुछ भी साफ नहीं है। न भाजपा हार मानने को तैयार है और न ही कांग्रेस सरकार बनाने से पीछे हटते दिखती है। दोनों के बड़े आत्मविश्वास के बावजूद वह आम वोटर जो किसी दल से सरोकार नहीं रखता, कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। वहीं वोटिंग कर लौटने वाले काफी कुछ इशारा करते हैं। कहीं ये चुनाव 2018 के नतीजों सरीखे तो नहीं होंगे? कई वर्षों से शांति का टापू कहलाने वाले मध्य प्रदेश में चुनाव अहिंसक होते रहे। लेकिन इस बार अलग-अलग इलाकों से आई हिंसा की रक्त रंजित तस्वीरें न केवल चिंताजनक हैं बल्कि बहुत कड़े मुकाबले का इशारा करती हैं। मध्य प्रदेश में 5,60,58,521 दर्ज वोटरों में 25,85,856 का इजाफा हुआ। इनमें 28782261 पुरुष, 27199586 महिला, 1292 थर्ड जेंडर तथा 75382 इलैक्शन कर्मचारी थे। इलैक्शन कमीशन के अंतिम आंकड़ों के बाद साफ है कि 77.15 प्रतिशत वोटिंग हुई। यह 2018 के मुकाबले 1.52 प्रतिशत अधिक है। महिला-पुरुष वोटिंग का ट्रैंड 2018 जैसा था। 35 सीटों पर महिलाओं ने ज्यादा वोट किया जो पिछली बार 50 थीं। सबसे ज्यादा विन्ध्य की 24 सीटों में महिला प्रतिशत अधिक रहा। यहां भाजपा को 24 सीटें मिली थीं जबकि 6 कांग्रेस को। जिन 24 सीटों पर महिला प्रतिशत रहा वे चित्रकूट, सिरमौर, सेमरिया, त्योंथर, मऊगंज, देवतालाब, मनगंवा, गुढ़, चुरहट, सीधी,रैगांव, नागौद, मैहर, अमरपाटन, रामपुर बघेलान, सिहावल, चितरंगी, धौहनी, ब्योहारी, जयसिंहनगर, जैतपुर, अनूपपुर, पुष्पराजगढ़ और मानपुर हैं। पिछली बार इनमें 19 पर भाजपा काबिज थी। महाकौशल की सिहोरा, बिछिया, निवास मंडला, बैहर, परसवाड़ा और लांजी तो अन्य में भोपाल दक्षिण-पश्चिम, पवई, मुलताई और पन्ना हैं। पूरे मध्य प्रदेश को देखें तो पता चलता है कि पुरुषों ने 75.98 प्रतिशत तो महिलाओं ने 74.03 प्रतिशत वोटिंग की। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए 22 विधायकों में से 14 सीटों पर वोटिंग कम होने के अलग मायने निकलेंगे। सबसे चर्चित 10 सीटों पर सभी की निगाहें हैं। उनमें भी केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर की दिमनी सीट ज्यादा सुर्खियों में है। यहां 1980 से 2008 तक भाजपा का प्रभाव रहा जबकि 2013 में बसपा तो 2018 में कांग्रेस ने जीत दर्ज की। इन्दौर 1 पर भाजपा के कैलाश विजयवर्गीय, लहार में नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह, दतिया में प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, नरसिंहपुर में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल तो निवास से फग्गन सिंह कुलस्ते, भाजपा सांसदों में जबलपुर से राकेश सिंह, सतना से गणेश सिंह, सीधी से रीति पाठक, चुरहट से अजय सिंह हैं जबकि दल-बदल के बाद मंत्री बने 6 भाजपा प्रत्याशी भी कड़े संघर्ष में हैं। क्या मध्य प्रदेश में महिला वोटर निर्णायक होंगी? भाजपा खासकर शिवराज सिंह को अपनी लाड़ली बहनों पर पूरा भरोसा है। वहीं कांग्रेस पुरानी पैंशन, 500 रुपए में सिलैंडर और नारी सम्मान पर आश्वस्त है। नतीजों से पहले कांग्रेस का उन अधिकारियों-कर्मचारियों की फेहरिस्त बनाना जो भाजपा के पक्ष में खुलेआम थे, खूब चर्चाओं में है। लेकिन सच यह भी है कि बड़े कर्मचारी तबके से बदलाव के सुर सुनाई देते रहे। अभी भाजपा नई सरकार के लिए उन गैर-भाजपाई व क्षेत्रीय दलों से संपर्क में है जो जीत सकते हैं। जीत-हार का अंतर कुछ भी हो कई छत्र पछर जाएंगे तो कई नए चेहरे जीतेंगे। केंद्र का शिवराज को लेकर शुरू में दूरी और बाद में नजदीकी वाला रुख भी भाजपा के लिए रामबाण रहा जिसकी वजह लाड़ली बहना योजना थी। नतीजे कुछ भी हों भाजपा संगठनात्मक तौर पर काफी मजबूत रही। कांग्रेस को इसे नसीहत मान संगठनात्मक बदलाव के लिहाज से आम चुनाव से पहले कड़े फैसले लेने ही होंगे। इतना तो तय है कि पांचों राज्यों में सबसे हैरान करने वाले नतीजे मध्य प्रदेश से ही आएंगे। सपा 1-2, बसपा 2-3 और आप से 1 संभावित जीतने वाले उम्मीदवारों के अलावा 8-10 निर्दलीय-बागी सत्ता की चाबी बन सकते हैं। सरकार किसकी होगी? कितने दिन और कैसे चलेगी? यह सब 24 से 26 कांटे की सीटों वाले के नतीजे तय करेंगे। सारा कुछ ई.वी.एम. में दर्ज नतीजों के जाहिर होने के बाद 3 दिसंबर को तय होगा। फिलाहल स्थिति 'न तुम जीते न हम हारे' जैसी जरूर है।

डिजिटल माध्यमों में हर वक्त सावधान रहने की मजबूरी हो गई

तकनीक अपने आप में एक निरपेक्ष संसाधन है, जिसका मकसद मनुष्य के जीवन को ज्यादा सुविधाजनक बनाना रहा है। ज्यों-ज्यों इसका विस्तार होता गया, इसके बहुस्तरीय लाभ भी देश-दुनिया को मिले। मगर इसके समांतर ज्यादातर तकनीकों तक कुछ ऐसे लोगों के हाथ भी पहुंचे, जिन्होंने न सिर्फ उसे अवैध या गलत तरीके से कमाई और ठगी का जरिया बनाया, बल्कि आम लोगों के सामने कई तरह के जोखिम भी पैदा किए हैं। आज ज्यादातर लोग अपने बहुत सारे दस्तावेजी कामकाज के साथ-साथ आर्थिक लेनदेन के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हैं। निश्चित रूप से यह कई मायनों में सुविधाजनक है, लेकिन अब साइबर अपराध का दायरा इस कदर फैलता जा रहा है कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने वालों के लिए हर वक्त सावधान रहने की मजबूरी खड़ी हो गई है। यों साइबर सेंधमारी सरकारों तक के लिए चुनौती बन गई है, लेकिन भारत में इंटरनेट को ठगी और वेबसाइट या ईमेल हैक करने से लेकर भयादोहन तक का जैसा जरिया बना लिया गया है, गौरतलब है कि देश के राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक ने रविवार को एक कार्यक्रम में कहा कि भारत की साइबर दुनिया में वैश्विक औसत की तुलना में सेंधमारी की घटनाओं में करीब दोगुनी बढ़ोतरी देखी गई है। यह स्थिति तब है जब सरकार से लेकर निजी क्षेत्र तक, सभी ओर से कामकाज के लिए डिजिटल माध्यमों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता और इसे सुरक्षित बनाने के तमाम इंतजाम करने के दावे किए जाते हैं।

कठिन परिस्थितियों में संघर्ष से आत्मबल पैदा होता है...

राजेंद्र प्रसाद

अनेक जीवधारियों की रचना करके प्रकृति ने संसार को बहुत विलक्षण और बेजोड़ बनाया है। किसी भी जीव का अच्छा स्वास्थ्य कुदरत का सबसे बड़ा उपहार है। ऋषि-मुनियों और तपस्वियों ने जीव में तन, मन और आत्मा का वास बताया है। स्वस्थ मन में स्वस्थ तन और स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का विकास तेजी से होता है। उसी कारण अच्छे मन और स्वास्थ्य की अद्भुत युति से ओतप्रोत आत्मबल से विशेषकर संघर्ष करता मानव बहुत विकसित और उच्च स्थिति में पहुंच सकता है। अनेक शोधों से प्रमाणित है कि सकारात्मक सोच उच्च सोपान तक पहुंचा सकती है, जो न केवल बलशाली बनाती, बल्कि अबाध उत्साह भी जगाती है। माना जाता है कि संसार मन की रचना है। मन सभी के पास है, मगर मनोबल कुछ के पास होता है। अगर सब कुछ खोकर भी कुछ करने की हिम्मत है, तो समझना चाहिए कि हमने कुछ नहीं खोया। कठिन परिस्थितियों में संघर्ष से आत्मबल पैदा होता है। जीत निश्चित हो तो कायर भी जंग लड़ लेते हैं। बहादुर वे है, जो हार निश्चित हो तो भी मैदान नहीं छोड़ते। आमतौर पर शरीर में कोई व्याधि आ जाए तो कमजोर मन वाला जल्दी हथियार डाल देता है, वहीं मजबूत अंतर्मन वाला जूझता है तो उसमें संघर्ष करने की संभावना बढ़ती है। सकारात्मकता अंतर्मन की शक्ति को बाह्य रूप में परिवर्तित करती है, तभी निचले दर्जे का व्यक्ति मन के हारे हार, मन के जीते जीत से लोहा मनवाता है। मन कमजोर हुआ तो मजबूत शरीर भी कमजोर होता है। मनुष्य परिस्थितिवश उतना कमजोर नहीं होता, जितना कमजोर खुद होता है। दर्द सबके एक हैं, मगर हौसले से कोई हताशा में बिखर गया तो कोई संघर्ष से निखर गया। कैंसर के जानलेवा रोग से जूझने के क्रम में पित्त की थैली का आपरेशन कराना पड़ा। डाक्टर शल्य चिकित्सा से पहले पूछने लगे कि क्या आप तैयार हैं तो जवाब मिला कि जरूर। डाक्टर विजयी मुद्रा का संकेत करता हुआ मुस्कराया। कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। अंदर छिपी भयावह बीमारी पीछा कर रही थी। इलाज का क्रम आगे बढ़ने पर कीमोथेरापी के डाक्टर ने जब कहा कि क्या तकलीफ है, तो उसे जवाब मिला कि कुछ तकलीफ नहीं, बल्कि तकलीफ डाक्टरों को है। कभी नाव में पानी और कभी पानी में नाव पर हमें पार जाना है, जहां ईश्वर हमें ले जाना चाहता है। न मर्जी से यहां संसार में आए हैं और न मर्जी यहां से जाएंगे। डाक्टर इस अंदाज से खुश हुए कि इस सकारात्मक सोच बीमारी पर विजय पाने में चिकित्सा और दवाइयों से भी ज्यादा मदद करेगी। यों भी अच्छी चिकित्सा के अच्छे नतीजे इस बात पर निर्भर हैं कि डाक्टर का बर्ताव कितना सकारात्मक और मरीज को खुश और आश्वस्त करने वाला होता है और अपनी बीमारी की अवस्था में मरीज अपने भीतर अपना हौसला कितना कायम रख पाता है, परिस्थितियों के प्रति कितना सकारात्मक रह पाता है। शरीर में रसायनों की गतिविधियां इन्हीं मनोस्थितियों पर निर्भर करती हैं, जो व्यक्ति को बचाती हैं या नष्ट करने की ओर धकेल देती हैं। मन के उभरते सकारात्मक विचार हमें आगे बढ़ने में मदद करेंगे और नकारात्मक विचार आगे बढ़ने से रोकेंगे। सकारात्मक विचार हमारे सोचने का गलत ढंग बदलते हैं। निराशावादी व्यक्ति को अवसर में भी कठिनाई नजर आती है और आशावादी को कठिनाई में भी अवसर नजर आता है, जो आत्मविश्वास से विजयी होते हैं। सकारात्मक विचार आत्मविश्वास की जान है। इसका मतलब यह नहीं है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा, बल्कि इसका अर्थ है कि हम जल्दी ठीक होंगे, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों। यह बात कोई मायने नहीं रखती कि जीवन में कितना धीरे चलें, पर यह महत्वपूर्ण है कि बिना रुके चलें। रेखांकित करनेवाली बात है कि जीवन में उत्साह के बिना नकारात्मकता बढ़ती है। सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ा जाए, तभी बाधाएं दूर होंगी। मुसीबतें खिलौना हैं और तय हमें करना है कि इनके साथ खेलना है या झेलना है। नकारात्मक विचारों से सकारात्मक जीवन नहीं जी सकते। अच्छी और सकारात्मक सोच के बिना अगर हम जीवन में कुछ बढ़ भले ही जाएं, लेकिन बहुत आगे नहीं बढ़ सकते। सकारात्मक विचार ऊर्जावान बनाकर जीने की कला को समृद्ध बनाते हैं। जब मन में सकारात्मक विचारों का बाहुल्य होगा तो नकारात्मक विचार पहले ही मरे मिलेंगे। नकारात्मक विचार न केवल दुख लाते हैं, बल्कि भविष्य की सोच और परिस्थिति पर भी असर डालते हैं। सकारात्मक विचार ताकतवर बनाते हैं और नकारात्मक विचार हमें निरंतर कमजोर करते हैं। सकारात्मक विचारधारा मौन प्रार्थना है, जो हमारी जिंदगी बदल दे सकती है। अगर हम सोचते हैं कि सब कुछ अच्छा होगा तो जरूर कुछ अच्छा होगा। ऐसे में नकारात्मक विचारों वालों से दूर रहा जाए तो अच्छा है।

दिवाली के दौरान केवल पराली को ही दोष क्यों?

भारत में पराली/ पुआल जलाने की घटनाएं उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे धान उत्पादक राज्यों में हर साल गर्मी और सर्दियों- दोनों मौसम में होती हैं। लेकिन दिवाली के आसपास पराली जलाने के कारण गंभीर वायु प्रदूषण और उच्च एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) के बारे में बहुत हो-हल्ला होता है। जैसा कि हम जानते हैं, ठंडी हवा नीचे धरती पर उतर आती है और गर्म हवा वायुमंडल में ऊपर जाती है। गर्मियों में गर्म हवाएं धुएं को हवा में ऊपर की ओर फैला देती हैं। लेकिन सर्दियों में, वायुमंडलीय परत का स्तरीकरण (एटमोस्फेरिक लेयर स्ट्रेटीफिकेशन) और मौसम की स्थिति के कारण इस समय ठंडी हवा धीरे-धीरे चलती है, जमीन पर नीचे आती है, हवा में बहुत कम नमी होती है, वायुमंडलीय परत स्थिर होती है और ठंडी हवा धूलकण, धुएं और प्रदूषकों को पकड़कर धरती पर रखती है, उन्हें तेजी से आगे बढ़ने नहीं देती और ऊपर हवा की परतों में मिलने से भी रोकती है। इस प्रकार, सर्दियों में धुंआ हवा की गुणवत्ता को नुकसान पहुँचाता है। सांस लेना मुश्किल हो जाता है। सर्दियों में, बारिश की संभावना कम होती है और इसलिए हवा में उपस्थित प्रदूषकों के धुल जाने की संभावना भी कम होती है। हवा के स्थायी प्रदूषक हैं- औद्योगिक उत्सर्जन, अपशिष्ट पदार्थ जलने और ऑटोमोबाइल निकास से निकले धुआं, धूल और हाइड्रोकार्बन। हवा के मौसमी प्रदूषक हैं- वर्षा ऋतु में रुके हुए और सर्दियों में फिर से शुरू हो गए निर्माण कार्य से भारी मात्रा में निकलने वाले धूलकण; पांच दिवसीय दिवाली और चार दिवसीय छठ पूजा (सूर्य पूजा) के त्योहारों के दौरान पटाखों से निकलने वाला धुआं और सर्दियों में कृषि-प्रधान प्रान्तों में किसान द्वारा गेहूं की खेती के लिए धान के पुआल या 'पराली' जलाने से भारी मात्रा में निकलने वाला 'मौसमी धुआं'। सर्दियों में स्थायी प्रदूषकों के साथ मौसमी प्रदूषकों का घातक संयोग गंभीर वायु प्रदूषण और सांस की बीमारियों के संकट का कारण बनता है। सर्दियों में प्रदूषण लोगों को संक्रमण की चपेट में लाता है, खासकर कोविड-19 के बाद जिसने उनकी सुधार की गति को धीमा कर दिया है। पराली से निकलने वाला धुआं करीब 250 किलोमीटर की दूरी तय कर पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को प्रभावित करता है। विशेष रूप से सुबह के समय वायुमंडलीय स्थिति में उन क्षेत्रों से प्रदूषित हवा राष्ट्रीय राजधानी की ओर जाती है। यही कारण है कि हर कोई सर्दियों में दिवाली के आसपास ही प्रदूषण, आतिशबाजी और पराली जलाने या खेत की आग से चिंतित और बौद्धिक रूप से अति सक्रिय दिखाई देता है। इसका कोई राजनीतिक कारण नहीं है। पराली जलाना 90 के दशक में शुरू हुआ जब धान उपजाने का क्षेत्र बढ़ा। धान की कटाई करने के बाद बची पराली में सिलिका और लिग्निन होने से यह मवेशियों के चारे योग्य नहीं थी। धान की कटाई के बाद गेहूं की खेती के बीच समय कम था और किसान पराली को मिट्टी में छोड़ने की बजाय जल्दबाजी में इसे जला देते थे। इस साल 2023 में पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में काफी कमी आई है। लेकिन उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में घटनाओं में वृद्धि हुई है और राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बहुत ऊंचा होने के कारण यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए भारी खतरा बना हुआ है। इस कारण सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर, 2023 को पराली जलाने वाले राज्यों को इसे 'तत्काल' रोकने और दीर्घकालिक उपाय करने का निर्देश दिया, चूककर्ताओं को अगले साल एमएसपी रोकने का भी सुझाव दिया और जल स्तर कम होने के कारण पंजाब से धान का क्षेत्र घटाने पर जोर दिया।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5064

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5063

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

वर्ग पहेली 5064

संकेत: बाएं से दाएं
1. क्रिकेट को यहां हुई ओलम्पिक स्पर्धा से हटाया गया था (1900)(3)
4. मध्यप्रदेश में प्रथम आकाशवाणी केंद्र यहां स्थापित हुआ (3)
7. युवा, तरुण (3)
8. टालना, स्थगित करना (4)
10. जन समूह को यह भी कहते है (4)
12. एक तरह का विस्फोटक रासायनिक [illegible] (2)
14. आवाज, [illegible], शब्द (2)
15. बदला चुकाने के उद्देश्य से किया गया कार्य, उतार (3)
18. लजीला, लजालु, छुईमुई का पौधा (2)
21. कुदार (3)
22. व्रत के बाद पहला भोजन करने की क्रिया, पा जाने की क्रिया (3)
23. खिड़की, झरोखा (4)
25. प्रसन्न होने का भाव (2)
26. गेहूं की तरह एक प्रसिद्ध अन्न (1)

ऊपर से नीचे
1. पुस्तक, पत्रिका (3)
2. रस्म, प्रथा, रीति (3)
3. बालमा, प्रेमी, साजन (3)
4. मध्यांतर को अंग्रेजी में यह कहते है (5)
5. उन्नति का समय, चढ़ती का समय (2)
6. पुरस्कार का पर्याय (3)
9. हिंदुओं का एक संस्कार जिसमें नवजात शिशु का नाम रखा या निश्चित किया जाता है (5)
11. स्वर्ग में रहने वाली अप्सरा या सुंदर स्त्री (2)
13. राजपुत्री, राजा की बेटी (5)
16. वचन, प्रतिज्ञा, इकरार (2)
17. दंगा-फसाद, उपद्रव, बगावत विप्लव (3)
19. 1945 ई.में परमाणु बमों से तबाह नागासाकी और हिरोशिमा इस देश में स्थित है (3)
20. [illegible], श्रेष्ठ स्थान, और पर (2)
24. अरब का, शिकारी कुत्ता (2)

वर्ग पहेली 5063 का हल

मो	दी		वि	ए	त	ना	म
दा	न	वी	र		ह	म	ला
न		र	ह	म	त		ल
	रे		अ	त		है	
या		भा	र	त		रा	स
क	मा	ई		बा	जी	ग	र
	न	खा	मा		जा		प
कि	ना	रा				जू	ट

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

मंदसौर विधानसभा के कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की आभार बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। 224 मंदसौर विधानसभा के कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नेताओं, मण्डलम, सेक्टर अध्यक्षगण, मोर्चा संगठन, विभाग व प्रकोष्ठ के पदाधिकारीगण, बीएलओ, पोलिंग एजेंट सहित कांग्रेस परिवार के सभी साथियों द्वारा पूर्ण निष्ठा से विधानसभा चुनाव में किये गये कार्य के लिये जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष विपिन जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस के जिलाध्यक्ष एवं मंदसौर विधानसभा प्रत्याशी विपिन जैन ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने 100 प्रतिशत चुनाव लड़ा हैं। विधानसभा में जीत कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जीत होगी। मैं कार्यकर्ताओं के कार्य करूंगा उनका पूरा मान-सम्मान बनाये रखूंगा। कार्यकर्ताओं को आने वाले लोकसभा व कार्यकर्ताओं के सारे चुनाव जीतना है। सारे विभागों पर कांग्रेस का झंडा लहराना है। 2024 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार बने इसके लिये अभी से कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता आगामी

लोकसभा चुनाव को चुनौती के रूप में लेते हुए जूट जाये। पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटील ने कहा कि जिस प्रकार माहौल को देखते हुए लगता है कि कार्यकर्ताओं की मेहनत जरूर रंग लायेगी। सामूहिक नेतृत्व का परिणाम है कि कांग्रेस पार्टी मध्यप्रदेश में सरकार बनाने जा रही है। कार्यकर्ता स्वयं को कमजोर न समझे। अपने कर्म ही आपकी पहचान है। पूर्व विधायक पुष्पा भारतीय ने कहा कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर मैं प्रदेश व जिले के नेताओं से आव्हान करती हूँ कि कार्यकर्ताओं की सीधे मंत्रालय में एंट्री हो। हम सबका दायित्व है कि कार्यकर्ताओं का सरकार बनने पर मान सम्मान बनाये रखे। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रकाश रातड़िया ने कहा कि सत्ता में रहे या न रहे, सेवा ही हमारा मुख्य ध्येय होना चाहिये। हमारी पार्टी का संघर्ष 138 साल से विरोधियों से चला आ रहा है। विधानसभा जीतने के बाद कार्यकर्ताओं की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना होगा। पदाधिकारी व कार्यकर्ता जनता में जीवित संपर्क रखे।

इस अवसर पर पूर्व विधानसभा प्रत्याशी महेन्द्रसिंह गुर्जर, पूर्व नपाध्यक्ष मो. हनीफ शेख, डॉ. अजीत जैन, मो. हुसैन रिसालदार, राजेश सोलंकी, अम्बालाल हिंगोरिया, डॉ. प्रीतिपालसिंह राणा, अंजू तिवारी, युनुस मेव, तरूण खिंची, पंकज जोशी, सकलेन करार, सलीम खान, जितेन्द्रसिंह राजाखेड़ी, मो. क्यूम मंसूरी, कमल दरखुनिया आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस के पदाधिकारी शंकरलाल पाटीदार, शंभुलाल चौहान, विनोद शर्मा, किशन धनगर, देवेन्द्र योगी, समसुभाई, आदित्य पाटील, खलील खान, रविन्द्र पाटीदार, के.के.सिंह भाटी, कैलाश मनवानी, रामप्रसाद राठौर, अहमद नूर मंसूरी, राजेन्द्र छाजेड़, जितेन्द्र सोपरा, सुनील बसेर, सुरेश भाटी, हेमन्त शर्मा, विश्वास दुबे, वहीद जैदी, निर्मल बसेर, डिकपालसिंह भाटी, रमेशचन्द्र सेठिया, साबिर इलेक्ट्रीशयन, मदन अटोलिया, नीलम वीरवाल, मुकेश यादव, आसीफ छीपा, फिरोज पठान, नोंदराम गुर्जर, विजय सिसौदिया, भगवानसिंह आंजना, माजिद चौधरी, शक्तिदानसिंह सिसौदिया, सुदर्शनसिंह शक्तावत, खुर्शीद आलम, फकीरचंद गुर्जर, प्रहलाद शर्मा जवासिया, जगन्नाथ पटेल, धर्मेन्द्र शर्मा, असगर मेव, मो. हनीफ मथारिया, हारूनभाई बादाखेड़ी, प्रहलाद शर्मा भालोट, सुरेश शर्मा, दिनेश धाकड़, ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारी अमित छाबड़ा, कपिल पंड्या, राजेश बंधवार, महेश रत्नावत, रवि विनायका, अरविन्द जैन, गफ्फार नीलगर, इलियास कादरी, राजकुमार कुमावत, भंवरलाल कुमावत, बाबूलाल राठौर, देवेन्द्र खाबिया, लियाकत आलइंडिया, मो. आसीफ अंसारी, रमेश कामराज, प्रणय धाकड, श्रीद पाण्डेय, मो. सिद्दीक, सेवादल जिलाध्यक्ष दिलीप देवड़ा, अजा विभाग के जिलाध्यक्ष संदीप सलोद, अजजा विभाग के जिलाध्यक्ष रमेश सिंगार, अल्पसंख्यक नगर अध्यक्ष मजहर खान, कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम कुमावत, मनीष चौहान, महिला नेत्री इष्ट भाचावत, सुनीता बंडी, मधु कड़ावत, वर्षा सांखला, कुसुम विश्वकर्मा, सोनिया जैन, लता सुनील चौहान, नेहा कनकमल जैन, मण्डलम अध्यक्ष विजय जैन, दशरथसिंह राठौर, पंकज जोशी, अजय सोनी, नीतेश सतीदासानी, चन्द्रशेखर अहिरवार, सेक्टर अध्यक्ष प्रीतम पंचोली, कचरमल जटिया, सादिक गौरी, घनश्याम लोहार, रविन्द्र कुमावत, मूलचंद राकोदा, रमेशचन्द्र राठौर, मनोज श्रीमाल, मो. अकरम, रमेश कुमावत, कन्हैयालाल कुमावत, आबिद खान मेव, बंटी जैन, मनोज श्रीमाल, छगनलाल तेली, नमन मोदी, वल्लभ बघेरवाल, राकेश सेन सम्राट, तरूण शर्मा, शांतिलाल ब्रिजवानी, गोपाल गवरिया, तरूण शर्मा, सुरेश खचरानिया, हरीश हनुमंती, सुरेश नामदेव, सुरेश धनगर, खालिक मोहम्मद, सुरेश व्यास सरपंच, फिरोज खान भरडावद, विष्णुसिंह सौलंकी, शुभम जैन, श्याम साल्वी, सूरज परिहार, महेन्द्र कमलवा, आशुतोष परिहार, श्यामलाल खारोल, अरूण परिहार, समरथ मालवीय, बालकृष्ण मालवीय, बालाराम मालवीय, पदमेश सोलंकी, सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दशोरा ने किया एवं आभार नपा नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी ने माना। उक्त जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड़ ने दी।

बड़ी दूर से आये है प्यार का तोहफा लाए है

दशपुर रंगमंच ने किया गीत संध्या का आयोजन

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाली संस्था दशपुर रंगमंच द्वारा गीत संध्या का आयोजन किया। जिसमें स्थानीय गायकों ने सदाबहार गीतों को अपनी आवाज में प्रस्तुत कर शाम को संगीतमय बना दिया।

आबिद भाई ने किशोर कुमार द्वारा गाया गीत जिस गली में तेरा घर न हो बालमा को गाकर गीत संध्या की शुरूआत की। नंदकिशोर राठौर ने मासूमियत से आपके हसीन रूख पे आज नया नूर है, मेरा दिल मचल गया तो मेरा क्या कसूर है को प्रस्तुत किया। सतीश सोनी ने बड़ी दूर से आये है प्यार का तोहफा लाए है। गीत संध्या संयोजक अभय मेहता ने ये मेरा दीवानापन है या मोहब्बत का शुरूर को बखूबी प्रस्तुत किया। वहीं ललिता मेहता ने हम तेरे प्यार में सारा आलम खो बैठे है की सुन्दर प्रस्तुति दी। योगेश गोविन्दानी ने बेवफाई पर क्या हुआ तेरा वादा, वो कसम वो इरादा को गाया। लोकेन्द्र पाण्डे ने तुम अगर मुझको न चाहो तो कोई बात नहीं, किसी और को चाहोगी तो मुश्किल होगी सुनाया। नरेन्द्र सोगोरे ने एक अकेला लाख सितारे, एक निराशा लाख सहारे, राजकुमार अग्रवाल ने गजल हम तो है परदेश में, देश में निकला होगा चांद की प्रस्तुति दी। हिमांशु वर्मा ने भी गमगीन करने वाले गीत दिल के टूकड़े टूकड़े करके मुस्कुरा के चल दिये को सुनाया। वहीं श्याम गुप्ता ने मुकेश द्वारा गाये गीत एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल गाया। नरेन्द्र सागोरे ने गोरी तेरा गांव बड़ा प्यारा, मैं तो गया हारा प्रस्तुत किया। सोनल-शैलेन्द्र चौरड़िया ने पल-पल दिल के पास तुम रहती हो एवं काजल-हिमांशु वर्मा ने और नहीं तुमसे कहना, जीवन साथी साथ में रहना गीतों की युगल रूप से प्रस्तुति दी। गीत संध्या का संचालन अभय मेहता ने किया व आभार ललिता मेहता ने माना।

सर्व शिक्षक संघ ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल को पत्र लिखा

कक्षा 9 के नामांकन के लिये निर्धारित विलम्ब शुल्क 300 में शिथिलता प्रदान करने की मांग की

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सर्व शिक्षक संघ जिला शाखा मंदसौर ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल, भोपाल के सचिव को पत्र लिखकर कहा की है कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कक्षा 9 के नामांकन के लिये निर्धारित आयु सीमा में शिथिलता तो प्रदान कर दी है लेकिन विलम्ब शुल्क 300 रू. लिया जा रहा है जो कि उचित नहीं है माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा विलंब से लिये निर्णय का आर्थिक नुकसान विद्यार्थियों को नहीं लगना चाहिए। अत: छात्र हित में 300 रू. विलम्ब शुल्क नहीं लिया जाए।

उक्त जानकारी देते हुए सर्व शिक्षक संघ जिला शाखा मंदसौर के संरक्षक रामकृष्ण नवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष दिलीप कुमार सांखला, संभागीय उपाध्यक्ष आशीष बंसल, संभागीय महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष निवेदिता नाहर, जिलाध्यक्ष जयेश नागर, जिला उपाध्यक्ष मनीष पारीख, महिला जिला उपाध्यक्ष सरिता अग्निहोत्री, जिला कोषाध्यक्ष सुरेश गुप्ता, जिला सहसचिव अंशुल धनोतिया, जिला सहसचिव अंशुल धनोतिया, जिला सहसचिव राजेन्द्र शर्मा, संयोजक व्याख्याता प्रकोष्ठ विष्णुकुमार सोनी, जिला प्रवक्ता जगदीश काला ने उपसचिव, मध्यप्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग का पत्र क्रमांक 612/1692948/2023/20-3 भोपाल दिनांक 09.11.2023 एवं माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल का पत्र क्र./3229-3230/परीक्षा समन्वयक/2023 भोपाल दिनांक 20.11.23 के पत्रों का संदर्भ देते हुए कहा कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिये शासन के आदेश के अनुक्रम में माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 मतें 13 वर्ष पूर्ण नहीं करने वाले छात्रों हेतु दिनांक 30.11.2023 तक ऑनलाईन सुविधा प्रदान की है। बोर्ड द्वारा नामांकन शुल्क 350 व पोर्टल चार्ज 25 कुल 375 रू. लिया जाना चाहिये। वर्तमान में 300 रू. विलंब शुल्क लिया जा रहा है। जो कि उचित नहीं है। पत्र में मांग की कि दिनांक 30.11.2023 तक केवल नियमित शुल्क 375 रू. लेकर इन छात्रों का नामांकन करवाने का आदेश प्रदान कर तत्काल एम.पी. ऑनलाईन को सूचना प्रेषित करे जिससे छात्रों पर आर्थिक भार न पड़े।

स्वामी लीलाशाहजी का 50वां निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। परम पूज्य स्वामी लीलाशहजी का 50वां निर्वाण महोत्सव लाड़ी लोहाणा सिंधी समाज द्वारा मुक्तिधाम स्थित कुटीया पर धूमधाम से मनाया गया। जिसमें सिंधी समाज के बड़ी संख्या में समाजजनों उपस्थित होकर स्वामी लीलाशाहजी के श्री विग्रह का दूध से स्नान कराकर अभिषेक किया। सभी ने पुष्पमाला पहनाकर व दीप प्रज्ञवलित कर भजनों की प्रस्तुति दी।

लाड़ी लोहाणा सिंधी पंचायत के समस्त पदाधिकारियों के समाजजनों ने परम पूज्य स्वामी लीलाशाहजी के बताए उपदेशों पर चलने के लिये हमेशा से सेवा और सहायता के लिये तत्पर रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सांईजी के जयकारे गूंजे। तत्पश्चात् समाजजनों ने लीलाशाहजी के भक्ति पूर्ण भजनों को प्रस्तुत दिया। लीलाशाहजी की महाआरती के पश्चात् उपस्थितजनों ने प्रसादी ग्रहण की।

दि मंदसौर डिस्ट्रीक्ट केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के चुनाव संपन्न

नारायणगढ़, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश केमिस्ट एसोसिएशन के निर्देशानुसार अधिकृत चुनाव अधिकारी वरिष्ठ केमिस्ट श्री दिलीप डांगी एवं श्री रामगोपाल भदादा के मार्गदर्शन में दि मंदसौर जिला केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के चुनाव संपन्न हुए। अधिकारिक जानकारी के अनुसार जिला केमिस्ट एसोसिएशन के प्रमुख तीन पदों को लेकर चुनाव कार्यक्रम तय किया गया। उम्मीदवारों द्वारा विधिवत नामांकन दाखिल किया गया, जिसमें नामांकन प्रक्रिया के तहत प्रमुख तीनों पदों पर एकल नामांकन पत्र दर्ज हुए, जिसके चलते जिला अध्यक्ष पद पर श्री मनीष चौधरी, जिला सचिव पद पर श्री पंकज सुराना एवं जिला कोषाध्यक्ष पद पर श्री आशीष जैन को निर्विरोध चुना गया। निर्विरोध चुनाव होने पर औपचारिक घोषणा चुनाव अधिकारियों द्वारा की गई। इस अवसर पर जिला केमिस्ट एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री मनीष चौधरी ने बताया है कि मंदसौर जिले का प्रत्येक केमिस्ट संगठन का अंग है। मैं हर संभव लड़ाई केमिस्ट के हित में लड़ूंगा। केमिस्ट संगठन को परिवार मानते हुए प्रत्येक केमिस्ट की समस्या के समाधान हेतु हमेशा तत्पर रहूंगा। मंदसौर जिले के समस्त केमिस्टों द्वारा नवनिर्वाचित ऊर्जावान पदाधिकारीयों को बधाई प्रेषित करते हुए उच्च पदाधिकारीयों का आभार व्यक्त किया गया।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 9 दिसम्बर को

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार तथा श्रीमान् अजीत सिंह, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय, तहसील न्यायालय भानपुरा, गरोठ, सीतामऊ, नारायणगढ़, कुटुम्ब न्यायालय, श्रम न्यायालय, उपभोक्ता फोरम, मंदसौर में दिनांक 09 दिसम्बर 2023 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के सचिव/जिला न्यायाधीश श्री हर्ष सिंह बहरावत द्वारा बताया गया कि नेशनल लोक अदालत में विभिन्न न्यायालयों में लंबित प्रकरण जैसे क्लेम प्रकरण, सिविल प्रकरण, विद्युत प्रकरण, धारा 138 एन.आई.एक्ट के प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, भू-अर्जन, श्रम प्रकरण, उपभोक्ता विवाद संबंधी मामले, राजीनामा योग्य दांडिक प्रकरण, सर्विस मैटर व जिला न्यायालय में लंबित राजस्व मामलों के साथ प्रस्तुत होने वाले प्री-लिटिगेशन मामलों को आपसी समझौते की प्रक्रिया हेतु रखा जाना हैं। उक्त नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने हेतु न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्तागण, विद्युत विभाग, बीमा कंपनियों, टेलीफोन/बी.एस.एन.एल., नगर पालिका एवं बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की जावेगी। लोक अदालत में निराकृत होने वाले प्रकरणों में जमा किया गया न्याय शुल्क पक्षकार वापिस लेने का हकदार है। अत: समस्त पक्षकार एवं उनके अधिवक्तागणों से अपील की जाती है कि वे अपने प्रकरण अधिक से अधिक संख्या में निपटाकर लोक अदालत योजना का लाभ उठावें।

बिहार के पांच जिलों में एनआईए की एक साथ छापेमारी

पटना, 23 नवम्बर। गुरुवार की आज अहले सुबह बिहार के गया, कैमूर सहित पांच जिलों में अलग-अलग जगहों पर राष्ट्रीय जांच एजेन्सी (एन आई ए) की टीम द्वारा नक्सली गतिविधियां से संबंधित पांच घंटे तक छापेमारी किया गया। इस दौरान उन्हें क्या मिला ये जानकारी मीडिया के लोगों नहीं दी गई है।

जानकारी के मुताबिक आज अहले सुबह गया, कैमुर, औरंगाबाद, रोहतास सहित पांच जिलों में एक साथ पांच घंटे तक छापेमारी की गई। आज अहले सुबह पांच बजे से साढ़े दस बजे तक राष्ट्रीय जांच एजेन्सी द्वारा कैमूर के विभिन्न प्रिन्टींग प्रेस में छापेमारी की गई वहीं गया जिले के पूर्व जिला परिषद सदस्य और राष्ट्रीय जनता दल के नेता राजू यादव उर्फ राजू जाट के गया स्थित डेल्हा पर आवास एवं कोंच प्रखंड के कठौतिया गांव में इनके घर पर एक साथ छापेमारी की गई। हलांकि इन दोनों जगहों पर राजू जाट नहीं मिले। जानकारी के मुताबिक डेल्हा आवास से राजू जाट के एक डायरी जांच एजेन्सी को हाथ लगी हैं जिसमें कुछ खर्च का लेखा-जोखा है। राजू जाट के भाई जो शिक्षक हैं। उनके अनुसार जांच एजेन्सी के आठ सदस्यीय टीम ने पूरे परिवार को एक कमरे में बैठा दिए वहीं सभी लोगों के मोबाइल फोन भी जमा कराकर व्टस्एप मैसेज से नंबर तक खंगाले गए। वहीं लैपटॉप को भी खोलकर देखा गया। राजू जाट के भाई के संजीत कुमार के मुताबिक जांच एजेन्सी के सदस्य उनके घर में नक्सली के ठहरने की बात कह रहे थे। गौरतलब हो कि राजू जाट का घर गया के कोंच प्रखंड के कठौतिया गांव में है। कठौतिया गांव उस समय सुर्खियों में आया था। जब गया के तत्कालीन सासंद ईश्वर चौधरी की हत्या चुनाव प्रचार के दौरान 15मई 1991 को कराई मोड़ के पास कर दी गई थी।

राष्ट्रीय जांच एजेन्सी द्वारा सबसे पहले कैमूर में एक साथ कई प्रिन्टींग प्रेस में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में छापामारी शुरु किया। बाद में कैमूर शहर स्थित दो प्रिन्टींग प्रेस में लगभग आठ घंटे तक छापेमारी चली। जांच एजेन्सी द्वारा छापेमारी का मुख्य बिन्दु इन क्षेत्रों में करीब तीन दशक से नक्सली संगठनों के प्रभाव एवं इन संगठनों द्वारा लेवी के रुप में अकूत धन, संपत्ति का इक्ट्ठा करने को लेकर देखा जा रहा है। इस वर्ष अगस्त महीने के दूसरे सप्ताह में झारखंड सरकार के एक करोड़ रुपए के घोषित इनामी शिर्ष नक्सली नेता और भाकपा माओवादी के पोलित ब्यूरो के सदस्य प्रमोद मिश्रा को इनपुट के आधार पर पुलिस ने गया जिले के हुडरही गांव से इनके एक अन्य साथी अनिल यादव को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद तीन दिन तक रिमांड पर लेने के बाद स्थानीय पुलिस के साथ-साथ कई जांच एजेन्सियों द्वारा पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया था। उसके एक माह बाद पुन: न्यायालय के आदेश के बाद रिमांड पर लेकर आइबी सहित राष्ट्रीय जांच एजेन्सी द्वारा भी पूछताछ की गई थी। इधर आज राष्ट्रीय जांच एजेन्सी द्वारा छापेमारी के दौरान गया जिले में करीब सात अलग-अलग जगहों पर छापे मारे गए। जिसमें एक नक्सली के समर्थक माने जाने वाले शिक्षक के घर से इमामगंज अनुमंडल पुलिस क्षेत्र से चार लाख रुपए बरामद होने की सूचना प्राप्त हुई है। हालाँकि राष्ट्रीय जांच एजेन्सी द्वारा इन पांच जिलों में हुई छापेमारी की आधिकारिक घोषणा समाचार लिखे जाने तक नहीं किये गए हैं।

नीमच मण्डी में कल से 27 नवम्बर तक अवकाश रहेगा

नीमच, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कृषि उपज मण्डीर नीमच के सचिव ने बताया, कि 25 से 27 नवम्बंर 2023 तक सम्पूर्ण मण्डीष में नीलाम कार्य (घोष विक्रय) बंद रहेगा। 25 नवम्बकर बैंक अवकाश (चतुर्थ शनिवार), 26 नवम्बीर (रविवार का साप्ताबहिक अवकाश) एवं 27 नवम्बंर 2023 को सोमवार गुरूनानक जयंती पर्व (शासकीय अवकाश) के कारण सम्पूर्ण मण्डीा प्रांगण में नीलाम कार्य बंद रहेगा। किसान बन्धुकओं से अनुरोध हैं, कि अपनी कृषि उपज विक्रय के लिए मण्डीप प्रांगण में नही लावें। मण्डीन बोर्ड भोपाल द्वारा एमपी फार्म गेट मोबाईल एप के माध्यिम से ऑनलाईन सौदा पत्रक द्वारा कृषि उपज का क्रय, विक्रय जारी रहेगा, जिन कृषक भाईयों को कृषि उपज विक्रय किया जाना है, वह कृषक अपनी कृषि उपज उपरोक्त माध्यएम से विक्रय कर सकते है।

पेंशनर महासंघ की रामटेकरी नगर इकाई का पुर्नगठन

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ मन्दसौर नगर की रामटेकरी ईकाई का दीपावली मिलन समारोह आयोजित जिसमें नगर अध्यक्ष अशोक रामावत एवं नगर सचिव चन्द्रकान्त शर्मा की उपस्थिति में रामटेकरी ईकाई का त्रैवार्षिक पुनर्गठन किया गया। सर्वानुमति से नवीन ईकाई में अध्यक्ष श्री अशोककुमार पंवार, उपाध्यक्षगण ब्रजेशसिंह जादोन, लेखराजसिंह सिसोदिया, दिलीपकुमार मुजावदिया, सचिव गोविन्द पारिख, सहसचिव दिलीप पारिख, कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा, संगठन सचिव ओमप्रकाश शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य राधेश्याम पोरवाल, वासुदेव त्रिवेदी, रमेशचन्द्र त्रिपाठी, गोपाल कुमावत, चन्द्रकला शर्मा तथा संरक्षक मोहनलाल कुमावत, गौतमलाल हड़पावत, रामप्रसाद शर्मा व योगेश व्यास मनोनीत किये गये। निर्वाचित बन्धुओं का स्वागत नगर अध्यक्ष व नगर सचिव द्वारा पुष्पमाला पहनाकर किया गया। उक्त जानकारी इकाई सचिव श्री गोविन्द पारिख द्वारा दी गई।

कलेक्टर ने उर्वरक डबल लाक केंद्र का किया निरीक्षण

नीमच, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने गुरूवार को मनासा में डबल लाक केंद्र का निरीक्षण कर उर्वरक यूरिया वितरण की व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर श्री जैन ने मनासा में डबल लाक केंद्र एवं उर्वरक विक्रय केंद्र का निरीक्षण कर यूरिया की उपलब्धता का जायजा लिया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में उर्वरक की कोई दिक्कत नहीं है। सभी सोसायटियों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। किसी भी सोसायटी में 10 मैट्रीक टन से कम स्टाक ना रहे। उर्वरक का स्टारक खत्म होने के पूर्व ही सोसायटी में उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर श्री जैन ने डबल लाक केंद्र मनासा के स्टाक का अवलोकन किया और अब तक किसानों को वितरित किए गए यूरिया की मात्रा की जानकारी ली। निरीक्षण दौरान पर्याप्त मात्रा में यूरिया व अन्य उर्वरक का स्टाक पाया गया। इस मौके पर तहसीलदार श्री बी.एल.मकवाना एवं उप संचालक कृषि श्री भगवानसिह अर्गल व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का सबसे बड़ा रन चेज

पहला टी-20 मैच 2 विकेट से जीता, कप्तान सूर्या ने 41 गेंद पर बनाए 80 रन

विशाखापत्तनम, 23 नवम्बर। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला 2 विकेट से जीत लिया है। टीम ने 209 रन का टारगेट 20वें ओवर की आखिरी बॉल में 8 विकेट पर हासिल कर लिया। यह भारत का टी-20 में कंगारुओं के खिलाफ सबसे बड़ा रन चेज है। इससे पहले, सबसे सफल रन चेज 202/4 रन का था, जो भारत ने 2013 में राजकोट में किया था। टीम इंडिया की ओर से कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 80 और ईशान किशन ने 58 रन की पारी खेलीं। आखिरी में रिंकू सिंह ने 14 बॉल पर 22 रन बनाए। विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 208 रन बनाए। टीम की ओर से जोश इंग्लिस ने पहला शतक जमाया। उन्होंने 50 बॉल पर 110 रन की पारी खेली। स्टीव स्मिथ (58 रन) ने अर्धशतक जमाया।

भारत ने डेथ ओवर में 38 रन पर गंवाए 4 विकेट–भारतीय पारी के आखिरी 4 ओवर में कमाल का कॉन्टेस्ट देखने को मिला। इन ओवर्स में भारतीय टीम ने 38 रन बनाकर मैच जीता, तो ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने 4 विकेट झटककर मुकाबले में रोमांच ला दिया। आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिए 7 रन की जरूरत थी, लेकिन टीम को नो-बॉल से जीत मिली, हालांकि पारी की आखिरी बॉल पर रिंकू सिंह ने छक्का जमाया, लेकिन नो-बॉल होने के कारण उनके ये रन काउंट नहीं किए गए। शॉन एबट के इस ओवर में 3 विकेट गिरे।

मिडिल ओवर्स में भारत ने खोए 2 विकेट–मिडिल ओवर्स में भारतीय टीम ने बड़े ओवर निकाले। ईशान किशन ने बड़े शॉटस खेले और स्पिनर्स को अपना टागरेट बनाया। 9वें ओवर में तनवीर संघा के सामने किशन और सूर्या ने 19 रन दिए। इसे बाद 11वें और 13वें ओवर में भी भारतीय बैटर्स ने तनवीर संघा के सामने 11 रन के ओवर निकाले। 13वें ओवर में ईशान किशन और 15वें ओवर में तिलक वर्मा का विकेट गिरा, लेकिन रिंकू सिंह और सूर्या ने साथ 16वें ओवर में 16 रन निकाल कर प्रेशर रीलीज किया। मिडिल ओवर्स में भारत ने 2 विकेट खोए और 108 रन बनाए।

मिडिल ओवर्स में क्या हुआ–ईशान किशन का अर्धशतक किशन ने टी-20 इंटरनेशनल का 7वां अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 39 बॉल में 58 रन की पारी खेली। किशन और सूर्या के बीच 60 बॉल में 108 रन की पार्टनरशिप हुई। इसमें से सूर्या ने 48 और किशन ने 57 रन बनाए। महंगे रहे संघा तनवीर संघा ने 4 ओवर में 2 विकेट लेने के बावजूद 11.75 की इकोनॉमी ने 47 रन दिए। 209 रन का टारगेट चेज करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मार्कस स्टोइनिस के पहले ओवर में ओपनर ऋतुराज गायकवाड बिना कोई बॉल खेले पवेलियन लौट गए। वे रनआउट हुए। ऐसे में ईशान किशन टीम को झटके से उबारने की कोशिश कर रही रहे थे कि तीसरे ओवर में यशस्वी जायसवाल 21 रन बनाकर आउट हो गए। यहां से ईशान किशन और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मिलकर तेजी से रन बटोरे। दोनों ने शॉन एबट के ओवर में 20 रन बनाए। पावरप्ले में टीम इंडिया ने दो विकेट पर 63 रन बना डाले।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दिया सबसे बड़ा टारगेट, इंग्लिस का शतक–ऑस्ट्रेलियाई टीम ने विशाखापत्तनम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 208 रन बनाए। जोश इंग्लिस ने 50 बॉल पर 110 रन की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने टी-20 करियर का पहला शतक जमाया। इंग्लिश के अलावा, स्टीव स्मिथ ने 52 रन का योगदान दिया। दोनों ने 66 बॉल पर 130 रन की पार्टनरशिप की। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और रवि बिश्नोई ने एक-एक विकेट लिया। एक बल्लेबाज रनआउट हुआ।

डेथ ओवर्स में ऑस्ट्रेलिया ने 47 रन जोड़े–डेथ ओवर्स में ऑस्ट्रेलिया ने 47 रन जोड़े। 17वें ओवर में अर्शदीप सिंह के सामने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों नें 18 रन जोड़े। 18वें ओवर में शतक लगाने के बाद जोश इंग्लिस आउट हो गए, लेकिन फिर भी 19वें ओवर में 16 रन बन गए। 20वें ओवर में मुकेश कुमार ने शानदार गेंदबाजी की और सिर्फ 5 रन ही दिए। डेथ ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने 47 रन जोड़े और भारत को 1 विकेट मिला।

मिडिल ओवर्स में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा–मिडिल ओवर्स में ऑस्ट्रेलिया ने तेजी से रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने जोश इंग्लिस का साथ दिया और हर ओवर में 8+ रनरेट से रन बनाए। इंग्लिस ने 15वें ओवर में रवि बिश्नोई के खिलाफ 21 रन निकाले। इसके साथ ही स्मिथ और इंग्लिस ने 66 बॉल में 130 रन की पार्टनरशिप की। 16वें ओवर में स्टीव स्मिथ रनआउट हुए। मिडिल ओवर्स में ऑस्ट्रेलिया ने एक विकेट खोकर 101 रन जोड़े। जोस इंग्लिस और स्टीव स्मिथ के अर्धशतक: जोस इंग्लिस ने मात्र 29 बॉल में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने टी-20 में पहली बार 50 का आंकड़ा पार किया। वहीं, स्टीव स्मिथ ने टी-20 करियर का पांचवां अर्धशतक लगाया। इंग्लिस और स्मिथ के बीच शतकीय साझेदारी: जोस इंग्लिस और स्टीव स्मिथ के बीच 66 बॉल में 130 रन की पार्टनरशिप हुई। इसमें स्मिथ ने 34 ओर इंग्लिस ने 94 रन बनाए। रवि बिश्नोई ने अपने कोटे के 4 ओवर में 13.50 की इकोनॉमी से कुल 54 रन खाए। टी-20 में सबसे ज्यादा रन खाने के मामले में वे पांचवें सबसे महंगे भारतीय स्पिनर साबित हुए।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	421	1999	2236
उडद	65	5800	8486
सोयाबीन	10000	4600	5180
गैहु	3300	2550	3100
चना	184	5000	5630
मसुर	237	4640	6150
धनिया	388	6280	7900
लहसुन	14000	11000	21000
मैथी	555	5400	6780
अलसी	1789	4651	5281
सरसो	474	5050	5382
तारामीरा	00	00	00
इसबगोल	34	10700	19000
प्याज	7500	600	3541
कलोंजी	62	9400	16601
डॉलर	44	8012	15147
तिल्ली	8	13901	16810
मटरसुखी	24	2150	3400
असालीया	4	10101	10599

जगमगाया मंदिर–श्री पशुपतिनाथ महादेव के पाटोत्सव मेले का शुभारम्भ गुरुवार सुबह हुआ। नगरपालिका की तैयारी अधूरी होने से अब मेला कार्तिक पूर्णिमा तक सम्भवतः जम सकेगा। इस अवसर पर श्री पशुपतिनाथ मंदिर प्रबंध समिति द्वारा मंदिर को आकर्षक विद्युत साज सज्जा से सजाया गया।

आरके हॉस्पिटल में ही रहेगी डा. मधु जैन

पुलिस कार्यवाही पर फिर उठा सवाल, अदालत से मिला न्याय

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दो दिन पहले शहर के नयापुरा रोड स्थित आरके हॉस्पिटल के बाहर हंगामा हुआ था। हॉस्पिटल के डॉ नितीन जैन की पत्नी मधु जैन ने पति, सास और ससुर पर मारपीट का आरोप लगाया। पति-पत्नी पर चल रहा विवाद पहले ही परिवार न्यायालय में विचाराधीन है। इधर मधु जैन का आरोप है कि उसे नितीन जैन और सास- ससुर ने घर से निकाल दिया। मामले में डॉक्टर मधु जैन ने पुलिस की शरण ली। लेकिन, नितीन जैन के रसूख के आगे पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। न्यायालय ने मधु जैन को घर से निकालने जैसा कोई आदेश नहीं दिया। वहीं नितीन जैन और सास ससुर पर मारपीट और घर से निकालने जैसे आरोप मधु ने लगाए। इधर पुलिस ने महिला की सुनने की बजाय नितीन जैन की सुनी। नितीन जैन की रिपोर्ट पर मधु सहित अन्य के खिलाफ अस्पताल में तोड़फोड़ का मामला तक दर्ज कर लिया। पुलिस ने जो भी किया, लेकिन न्यायालय से मधु जैन को न्याय मिल गया। न्यायालय ने नितीन जैन को मधु को घर पर ही रखने का आदेश दिया है। मतलब साफ है कि पत्नी को घर से निकालने का नितीन को कोई हक नहीं था। मधु का भी घर पर बराबर का अधिकार है।

जहां पुलिस ने रसूख के चलते नितीन का साथ दिया। वहीं न्यायालय ने मधु को तुरंत राहत दी। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी मंदसौर लक्ष्मी वास्कले ने आदेश देते हुए फैसला सुनाया कि आवेदिका मधु जैन की वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए आवेदन स्वीकार कर आवेदिका को उसके साझा गृहस्थी शामिलाति निवास स्थान आरके हॉस्पिटल मंदसौर में निवास हेतु आदेश प्रदान किया जाता है। बता दे कि संभवत: यह मंदसौर का पहला मामला है जहां न्यायालय ने मामला पेश होते ही फरियादी को राहत दी। न्यायालय में मधु जैन की तरफ से पैरवी अधिवक्ता दीपक बडसोलिया, सहयोगी मयंक मावर और रवि बडसोलिया ने की। जिसमें अभिभाषको ने मधु की तरफ से बात रखी कि मधु अकेली महिला है और वर्तमान में निवास करने के लिए उसके पास अन्य कोई मकान नहीं है। न ही ऐसा सुरक्षित स्थान है। जहां आवेदिका अपना जीवन यापन कर सके।

घर पहुंची तो ताला लगा था...

न्यायालय के आदेश के बाद डॉक्टर मधु जैन अपने अधिवक्ताओं के साथ नयापुरा रोड स्थित आर के हॉस्पिटल अपने निवास स्थान पहुंची। लेकिन, वहां ताला लगा हुआ था। इसके बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके पर पंचनामा बनाया है।

तीन दिसम्बर को रहेगा शुष्क दिवस

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत मतगणना को दृष्टित रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने 3 दिसम्बर 2023 को संपूर्ण दिवस के लिए शुष्क दिवस घोषित किया है। शुष्क दिवस अवधि के दौरान जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानें, मदिरा गोदाम, रेस्टोरेंट बार (एफ. एल.-2), पर्यटन बार (एफ.एल.-2-कक) होटल बार (एफ. एल -3), वाईन आउटलेट एवं देशी मदिरा स्टोरेज भंडागार को पूर्णत: बंद रखा जाकार क्रय- विक्रय प्रतिबंधित किया जाता है।

लसुड़िया राठौर में अन्नकूट प्रसादी वितरण किया

लूनाहेड़ा, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गांव लसुडिया राठौर में सामुहिक अन्कुट प्रसादी का आयोजन किया गया । बालाजी मंदिर प्रांगण पर दोपहर 2 बजे शाम 5 बजे तक अन्कुट प्रसादी वितरण किया गया । जहां आसपास के गांवों के भक्तों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की।

अफीम फसल के साथ-साथ अन्य फसलों की निदाई-गुड़ाई का कार्य प्रगति पर

लूनाहेड़ा, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र में इन दिनों अफीम फसल के साथ-साथ अन्य फसलों की निदाई गुडाई का कार्य प्रगति पर चल रहा है । महिलाएं सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक फसल में खरपतवार हटाने के साथ-साथ अफीम फसल की झटनी के कार्य में व्यस्त हैं वहीं कही किसान ऐसे भी जिनका रकबा अधिक है जहां वो खेतों में होने वाली खरपतवार हटाने को लेकर दवाई का छिड़काव भी कर रहे है।

कृषि कार्य को लेकर सभी तरफ़ निदाई गुडाई कार्य के चलते खासकर महिला मजदूर की कमी है । किसानो ने बताया कि अभी सभी तरफ़ निदाई गुडाई कार्य प्रगति पर चल रहा है । इससे महिलाएं मजदूर नहीं मिल पा रही हैं । प्रति महिला मजदूर को 200 रुपए रेट के मान से देने को तैयार है पर महिला मजदूर मिल नही पा रहे हैं । इन दिनों पुरुषों के मुकाबले महिलाएं कृषि कार्य में अधिक व्यस्त हैं । किसानो ने बताया कि रबी सीजन की शुरूआत दौर में कुओ में पानी अधिक था लेकिन अब कुओं का जल स्तर भी कम होने लगा है । फललो को सिंचाई के माध्यम से करीब 6 बार पानी देना पड़ता है । अभी तक 3 बार पानी छोड़ गया है । इस बार क्षेत्र में अल्पवर्षा के चलते सभी तरफ़ जल स्त्रोत ख़ाली पड़े थे । इससे कुओं के जल स्तर में अभी से कमी होने लगी है।

कलेक्टर ने मतगणना स्थल पर तैयारियों का निरीक्षण किया

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतगणना स्थल का निरीक्षण कर, मतगणना तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विशाल सिंह चौहान एवं नोडल अधिकारी उपस्थित थे। मतगणना केंद्र पर मतगणना कर्मियों, मतगणना अभिकर्ताओं और मीडियाकर्मियों के प्रवेश की व्यवस्था, पार्किंग की व्यवस्था, मीडिया सेंटर स्थापना, चिकित्सा कक्ष स्थापना, सहित अन्य व्यवस्थाओं का मौके पर अवलोकन किया और संबंधित नोडल अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मतगणना केंद्र पर सुरक्षा जांच की व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश भी दिए।

मतगणना स्थल पर मोबाईल ले जाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा– कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप सिंह यादव ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु जिले के विधानसभा क्षेत्र 224 मंदसौर, 225 मल्हारगढ़, 226 सुवसरा एवं 227 गरोठ हेतु मतगणना 3 दिसम्बर को प्रात: 08 बजे से शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मन्दसौर में प्रारंभ होगी। निर्वाचन आयोग के निर्देशो के अनुसार मतगणना स्थल पर मोबाईल पूर्णतया प्रतिबंधित है। मतगणना हेतु संलग्न विभिन्न शासकीय सेवकों, अभ्यर्थियों, गणन अभिकर्ताओं, निर्वाचन अभिकर्ताओं के मोबाईल प्रथम सुरक्षा घेरे के बाहर (श्री कोल्ड चौराहा मंदसौर एवं जैन कॉलेज मंदसौर) में जमा करवाये जाने हेतु सशुल्क व्यवस्था की जावेगी। जिसके लिये शुल्क राशि 50 रूपये निर्धारित रहेगा, जो सैनिक कल्याण निधि में जमा होगा। इन काउन्टर के संचालन हेतु जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मंदसौर को प्रभारी नियुक्त किया गया है। मोबाईल धारकों के मोबाईल जमा करने के दौरान उन्हें पावती दी जावें, तथा इसकी प्रविष्टि पंजी में दर्ज की जावें।

पनौती, जेबकतरे पर फंसे राहुल गांधी, भाजपा की शिकायत पर चुनाव आयोग ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 23नवम्बर। पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता मुश्किल में घिर गए हैं। राहुल गांधी के बयान को लेकर चुनाव आयोग ने एक्शन लिया है। आयोग की तरफ से राहुल गांधी को नोटिस जारी किया गया है। कांग्रेस नेता से जवाब भी मांगा गया है। राहुल को जवाब देने के लिए 25 नवंबर तक का समय दिया गया है।

भाजपा ने की थी कार्रवाई की मांग–गौरतलब है कि कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी के बयान को लेकर बीजेपी नेताओं ने कार्रवाई की मांग की थी। पार्टी महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल, ओम पाठक सहित पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग को ज्ञापन भी सौंपा था। ज्ञापन में मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के खिलाफ धोखाधड़ी, आधारहीन और अपमानजनक आचरण के लिए उचित कानूनी कार्रवाई करके तत्काल हस्तक्षेप किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि कांग्रेस नेताओं के बयान चुनावी माहौल को खराब कर देंगे। इससे सम्मानित व्यक्तियों को बदनाम करने के लिए अपशब्दों, आपत्तिजनक भाषा का उपयोग और झूठी खबरों को रोकना मुश्किल हो जाएगा।

माफी मांगें राहुल गांधी–राहुल के बयान पर बीजेपी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया भी दी। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ शर्मनाक टिप्पणी कर राहुल गांधी ने अपना असली रूप दिखा दिया है। रविशंकर ने यह भी याद दिलाया कि गुजरात के मुख्यमंत्री के दौरान जब सोनिया गांधी ने उन्हें मौत का सौदागार कहा था, तब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की क्या हालात हुई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पर राहुल गांधी का बयान घोर निंदनीय है और इसके लिए उन्हें माफी मांगनी ही होगी। उन्होंने साफ कर दिया कि माफी नहीं मांगने की स्थिति में भाजपा इसे गंभीर मुद्दा बना सकती है।

राहुल ने पीएम पर की थी विवादित टिप्पणी–गौरतलब है कि राहुल गांधी ने अहमदाबाद में विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद पीएम पर विवादित टिप्पणी की थी। राहुल ने राजस्थान में एक चुनावी भाषण में मोदी के खिलाफ पनौती शब्द का इस्तेमाल किया था। हालांकि, कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी का नाम नहीं लिया था।

केरल में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात तमिलनाडु में स्कूल बंद करने के आदेश

नईदिल्ली, 23 नवम्बर। आईएमडी ने केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं तमिलनाडु कई जिलों के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। भारत के दक्षिण राज्य केरल और तमिलनाडु में बीते कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है। जिसकी वजह से केरल में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं, जबकि तमिलनाडु में सड़कें तालाब में बदल गई हैं। वहीं,भारतीय मौसम विभाग इन दोनों राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने जानकारी देते हुए कहा कि आज तमिलनाडु और केरल में भारी बारिश होगी। इसके अलावा 25 नवंबर से 27 नवंबर तक मध्य प्रदेश,राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र में भारी बारिश होने की संभावना है।

केरल में भारी बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात–बता दें कि कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से केरल के विभिन्न इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। अधिकारियों ने लोगों से ऊंचाई वाले और निचले इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की है। इडुक्की और पथानामथिट्टा जिलों के पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की सूचना मिली है, जबकि निचले इलाकों में भारी जलभराव हो गया, जिसकी वजह से आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्कूलों में छुट्टी– पड़ोसी राज्य तमिलनाडु की बात करें तो, यहां के कई जिलों में भी भारी बारिश देखी गई है, जिसकी वजह से भारी मात्रा में सड़कों पर पानी जम गया है। राज्य के कई जिलों के अधिकारियों ने बारिश की चेतावनी के बाद स्कूलों में छुट्टी के निर्देश दिये हैं। इनमें तेनकासी, विरुथुनगर, पुधुकोट्टई, नीलगिरि, थेनी, थिरुनेलवेली, कन्याकुमारी और थूथुकुडी सहित आठ जिले शामिल हैं।

दुर्घटना में हुई थी मौत, बाइक चालक पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दुर्घटना में हुई मौत के मामले में पुलिस ने बाइक सवार के ।लाफ केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार 27 सितम्बर 2023 को पिपलिया कृषि उपज मंडी के निकट बाइक (एमपी 44 एमयू 3851) के चालक ने तेज व लापरवाहीपूर्वक चलाकर चन्द्रपुरा निवासी विनोदसिंह पिता गोवर्धनसिंह सौंधिया को टक्कर मार दी थी, जिन्हें मंदसौर के बाद अहमदाबाद रेफर किया था। इलाज के दौरान 14 अक्टूबर को विनोदसिंह ने दम तोड़ दिया। जांच के बाद पुलिस चौकी पिपलिया ने बाइक चालक के खिलाफ धारा 304 ए में केस दर्ज किया।

कलश स्थापना व प्रसादी वितरण हुआ

नाहरगढ़, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। देवउठनी एकादशी (छोटी दीपावली) के शुभ मुहूर्त में श्री नानकिया बाग हनुमान मंदिर नाहरगढ के मुख्य द्वार पर गोपाल सिंह श्री शंभू सिंह जी मंडलोई ने की ओर से चढ़ाया कलश । विधि विधान से पूजन कर कलश की स्थापना हुई। मण्डलोई परिवार द्वारा कलश स्थापना के बाद पूजा-पाठ व आरती के बाद प्रसादी वितरण हुआ बडी संख्या मे महिल पुरूष व युवाओ ने उपस्थित होकर प्रसादी ग्रहण की।

कलेक्टर जैन ने किया मतगणना केंद्र एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण

नीमच, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने गुरूवार को विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत होने वाली मतगणना के लिए स्थापित मतगणना केंद्र शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच के परिसर एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने सीसीटीवी के माध्यम से स्ट्रांग रूम परिसर की जा रही निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था कार्य का जायजा लिया और संबंधितों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस मौके पर एसडीएम डॉ.ममता खेड़े तहसीलदार, श्री प्रेमशंकर पटेल, श्री संजय मालवीय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने गुरूवार को मनासा के शासकीय रामचंद्र विश्नाथ महाविद्यालय मनासा का निरीक्षण कर, स्थापित पोस्टल बेलेट स्ट्रांग रूम मनासा निरीक्षण किया। इस मौके पर एसडीएम मनासा श्री पवन बारिया एवं राजनैतिक दलों के निर्वाचन अभिकर्ता भी उपस्थित थे।

गरोठ भानपुरा विधानसभा सबसे अधिक मतदान

1962 में 48.39 प्रतिशत और सर्वाधिक 2023 में 82.50 प्रतिशत

अमित हरसोला

भानपुरा, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र में अब तक 17 बार 2023 के पहले विधानसभा चुनाव हुए हे 2023 का मतदान 18 वा हे अभी तक यहां हुए चुनावों में सबसे कम मतदान 1962 में हुआ था जब मात्र 48.39 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का मतदान किया ओर सर्वाधिक मतदान इस बार 2023 में हुआ 82.50 प्रतिशत ,2018 में 78.82,सन 2013 में 76.61 सन 2008 में 75.46 सन 2003 में 73.60 प्रतिशत मतदान हुआ।गत चुनाव 2018 में मतदाताओं कि संख्या 2 लाख 27 हजार 433 थी जो 2023 के चुनाव में 2 लाख 50 हजार 507 हो गई लगभग 23 हजार मतदाता बढ़े हे जिन्होंने पहली बार मतदान किया ,इस विधानसभा क्षेत्र में 1957 में मतदाताओं कि संख्या मात्र 48 हजार 525 थी जो बढ़ते बढ़ते 2023 में ढाई लाख तक पहुंच गई।

गुजराती सेन समाज ने धूमधाम से अन्नकूट महोत्सव मनाया

मंदसौर, 23 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गुजराती सेन समाज मंदसौर द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री कृष्णानंदजी महाराज के मंदिर प्रांगण कैलाश मार्ग पर समाजजनों का अन्नकूट महोत्सव बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। समाज के युवा नगर अध्यक्ष दयाराम चौहान ने बताया कि इस दौरान कैलाश मार्ग से मंदिर परिसर तक ढोल के साथ शोभायात्रा निकाली गई। उसके पश्चात् लड्डू गोपाल एवं सेनजी महाराज को अन्नकूट का भोग लगाकर महाआरती की गई। इस दौरान भजन कीर्तन महेश गेहलोद द्वारा किये गये। उपस्थित हजारों की संख्या में श्रद्धालु समाजजनों ने अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गुजराती सेन समाज के पुरूष, महिला व युवा परिवार सहित उपस्थित थे।

✼ उठावना ✼

स्व श्री गोपीलाल जी दिवान के

सुपुत्र तुलसीराम जी दिवान , हीरालाल जी दिवान के भतीजे , भूरा दिवान के छोटे भाई , भोला दिवान, प्रेम दिवान, प्रभु दिवान, घनश्याम दिवान, नरेन्द्र दिवान, दिनेश दिवान के बड़े भाई, संदीप दिवान , अन्नु दिवान के अंकल, कान्हा , पवन, अजय, विशाल,गौरव, प्रिंस , हर्ष, पियूष के बड़े पापा महेश दिवान दिपक दिवान के पूज्य पिता जी श्री कालूराम जी दिवान का श्रीजी शरण 22 नवंबर बुधवार को हो गया है, जिनका उठावना 24 नवंबर 2023 शुकवार को शाम 4 बजे मालीचोक बालागंज मन्दसौर पर रखा गया है।

✼✼✼ शोकाकुल ✼✼✼

भोला दिवान , घनश्याम दिवान , नरेंद्र दिवान, महेश दिवान, दीपक दिवान एवं समस्त दिवान परिवार, मंदसौर

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 25 नवम्बर को शाम 5 से रात 8 और रविवार 26 नवम्बर को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-✼ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✼ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✼ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✼ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✼ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✼ शरी पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✼ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✼ बच्चों व बुजुर्गो की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✼ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✼ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडि्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in